जम्मू लद्दाख विज़न

आर एन आई नंबर: जेकेएचआईएन/2019/78824 | पोस्टल नंबर : एल-29/जेके.579/24-26

साप्ताहिक | वर्ष : 7 | जम्मू | अंक : 17 | सोमवार अप्रैल 28, 2025 | मूल्य : 3 रुपए | पेज : 16

यमुना मैया की जय... जीत के बाद बीजेपी दतर से बोले पीएम मोदी- दिल्ली अब आपदा मुक्त पेज 6...

उपराज्यपाल ने नई दिल्ली में नेशनल बुक ट्रस्ट के विश्व पुस्तक मेले का दौरा किया पेज 12...

सतीश शर्मा ने अंतर-स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट के उद्घाटन की घोषणा की पेज 14...

पहलगाम आतंकी हमले में शामिल लोगों को कड़ी सजा मिलेगी; साजिश रचने वालों को ढूंढ निकाला जाएगा : राजनाथ

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर "कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले" के लिए जिम्मेदार लोगों को जल्द ही भारतीय धरती पर उनके नापाक कृत्यों का "कड़ा जवाब" मिलेगा, जो कि नरसंहार के लिए भारत की संभावित प्रतिक्रिया का पहला स्पष्ट संकेत है।

सिंह ने मुंहतोड़ जवाब देने की कसम खाते हुए यह भी कहा कि भारत न केवल हमले को अंजाम देने वालों का पता लगाएगा, बल्कि उन "पर्दे के पीछे बैठे" लोगों का भी पता लगाएगा, जिन्होंने भारतीय धरती पर घातक कृत्य को अंजाम देने की साजिश रची थी।

वार्षिक अर्जन सिंह मेमोरियल व्याख्यान देते हुए रक्षा मंत्री की टिप्पणी पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 नागरिकों, ज्यादातर पर्यटकों की हत्या के एक दिन बाद आई, जिससे भारत और विदेशों में व्यापक आक्रोश फैल गया।

संबोधन से कुछ घंटे पहले, सिंह ने करीब ढाई घंटे की बैठक में जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की, जिसमें एनएसए अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह शामिल हुए। रक्षा मंत्री ने कहा,

"कल पहलगाम में, हमारे देश ने धर्म को निशाना बनाकर आतंकवादियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले में कई निर्दोष नागरिकों को खो दिया। इस अत्यंत अमानवीय कृत्य ने हम सभी को गहरे दुख और पीड़ा में डुबो दिया है।"

"मैं इस मंच से देशवासियों को आश्वस्त करता हूं कि घटना के मद्देनजर भारत सरकार हर वह कदम उठाएगी जो आवश्यक और

■ शेष पेज 2...

पहलगाम हमले के बावजूद अमरनाथ यात्रा न छोड़ें, जम्मू-कश्मीर : करण सिंह ने पर्यटकों से किया आग्रह

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता करण सिंह ने बुधवार को लोगों से पहलगाम हमले के कारण आगामी पर्यटन सीजन के दौरान अमरनाथ यात्रा और जम्मू–कश्मीर से दूर न रहने का आग्रह किया।

जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल और सदर–ए– रियासत ने कहा कि दुश्मनों को एक स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए कि "हम इस तरह के कायरतापूर्ण कृत्यों से नहीं डरेंगे" और जोर देकर कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर मंगलवार को हुए आतंकी हमले में कम से कम

■ शेष पेज 2...

लद्दाख पर्यटन के लिए सुरक्षित; हितधारकों ने भ्रामक यात्रा सलाह हटाने की मांग की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

लेह : जम्मू–कश्मीर में आतंकवादी हमले के बाद बुकिंग रद्द होने से चिंतित पड़ोसी लद्दाख के पर्यटन हितधारकों ने बुधवार को विदेशी और घरेलू पर्यटकों को केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षित यात्रा का आश्वासन दिया। उन्होंने "भ्रामक" यात्रा सलाह को हटाने की भी मांग की।

आतंकवादियों ने मंगलवार दोपहर पहलगाम में गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे, जो 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला है।

आतंकी हमले के विरोध में लद्दाख में बंद का आह्वान किया गया है। केंद्र शासित प्रदेश में बौद्ध, मुस्लिम और ईसाई समुदायों के अलावा व्यापार और पर्यटन संघों द्वारा संयुक्त रूप से मोमबत्ती जुलूस का आयोजन किया जा रहा है, ताकि शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की जा सके। लद्दाख के "आतंकवाद मुक्त" क्षेत्र को

■ शेष पेज 2...

पहलगाम हमला : केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, जम्मू-कश्मीर पर्यटन को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए हम हरसंभव प्रयास कर रहे हैं

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को कहा कि नापाक इरादों वाले कुछ लोगों ने घाटी में फिर से "अलगाववाद और आतंकवाद को भड़काने" की कोशिश की है और जोर देकर कहा कि उनका मंत्रालय पहलगाम हमले के मद्देनजर जम्मू और कश्मीर में पर्यटन पर "न्यूनतम असर" डालने की पूरी कोशिश करेगा।

यहां केंद्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड (सीएबीए) की 38वीं बैठक के मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि वह और उनका कार्यालय केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य सचिव और पर्यटन सचिव के साथ "लगातार संपर्क" में हैं और स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। आतंकवादियों ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे और कई अन्य घायल हो गए। मृतकों में दो विदेशी दृ यूएई और नेपाल से दृ और दो स्थानीय शामिल हैं।

शेखावत ने यहां भारत मंडपम में आयोजित बैठक में अपने उद्घाटन भाषण

■ शेष पेज 2...

पहलगाम आतंकी हमला : शाह ने अनंतनाग अस्पताल में घायलों से मुलाकात की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को अनंतनाग के एक अस्पताल का दौरा किया और पहलगाम आतंकी हमले में घायल हुए लोगों का हालच.ाल जाना। अधिकारियों ने बताया कि शाह ने सुबह बैसरन में भीषण हत्याकांड के घटनास्थल का दौरा किया और दोपहर में सरक.ारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल पहुंचे। गृह मंत्री के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी थे। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, एचएम

■ शेष पेज 2...

जम्मू लद्दाख विज़न

सोमवार, जम्मू, 28 अप्रैल, 2025

www.jammuladakhvision.com

शेष पेज १ से.....

पहलगाम आतंकी...

उचित होगा। "और हम न केवल उन लोगों का पता लगाएंगे जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया। हम उन लोगों तक भी पहुंचेंगे, जिन्होंने पर्दे के पीछे बैठकर भारत की धरती पर नापाक कृत्य को अंजाम देने की साजिश रची है," सिंह ने कहा।

रक्षा मंत्री ने कहा "भारत इतनी पुरानी सभ्यता और इतना बड़ा देश है कि इसे किसी भी तरह की आतंकवादी गतिविधियों से डराया नहीं जा सकता।" उन्होंने कहा, षऐसी हरकतों के लिए जिम्मेदार लोगों को निकट भविष्य में कड़ी प्रतिक्रिया मिलेगी।ष

सीमा पार आतंकवादी घटनाओं के संदर्भ में सिंह ने कहारू षइतिहास गवाह है कि राष्ट्रों का पतन दुश्मन की कार्रवाई के कारण नहीं, बल्कि उनके अपने कुकर्मों के कारण हुआ है। मुझे उम्मीद है कि सीमा पार के लोग इतिहास के सबक को और करीब से देखेंगे।ष सूत्रों ने बताया कि सिंह की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में आतंकवादी हमले के बाद जम्मू–कश्मीर में उभरे हालात के सभी संभावित पहलुओं पर चर्चा की गई, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। पता चला है कि सिंह ने सशस्त्र बलों को अपनी युद्ध तत्परता बढ़ाने और आतंकवाद विरोधी अभियानों की तीव्रता बढ़ाने का निर्देश दिया।

सिंह ने पहलगाम में हुए हमले को षबेहद अमानवीयष बताया, जिसने षहम सभी को गहरे दुख और पीड़ा में डाल दिया है।

सबसे पहले, मैं उन सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। इस दुखद समय में, मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा, षमैं भारत के दृढ़ संकल्प को दोहराना चाहूंगा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस नीति है। भारत का हर नागरिक इस कायरतापूर्ण कृत्य के खिलाफ एकजुट है। बैठक में सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने अपने बलों की तैनाती समेत जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा स्थिति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि इस "घृणित कृत्य" के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। आतंकी हमले के बाद से जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पर कई बैठकें हो चुकी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब की अपनी दो दिवसीय यात्रा बीच में छोड़कर आज सुबह नई दिल्ली लौटे।

गृह मंत्री अमित शाह सुरक्षा उपायों की अगुआई करने के लिए मंगलवार शाम श्रीनगर पहुंचे।

दिल्ली पहुंचने के कुछ देर बाद मोदी ने एनएसए डोभाल, विदेश मंत्री एस जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ बैठक की।

अपने संबोधन में सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि आयात पर निर्भरता के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती और सरकार रक्षा संप्रभुता हासिल करने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि देश में ही रक्षा उपकरणों के निर्माण पर जोर दिया जा रहा है और रक्षा मंत्रालय के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं।

सिंह ने लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर प्रचंड, आकाश और ब्रह्मोस एयर डिफेंस हथियारों को भारतीय डिजाइनरों, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की क्षमता का शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा,

षआज न केवल सार्वजनिक क्षेत्र में रक्षा विनिर्माण में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, बल्कि निजी क्षेत्र भी बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहा है।

पहलगाम हमले के...

26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। सिंह ने एक बयान में कहा, "रामबन में प्राकृतिक आपदा जिसने कई लोगों की जान ले ली और तबाही मचाई, वह काफी बुरी थी, लेकिन पहलगाम में शांतिपूर्ण पर्यटकों की गोली मारकर हत्या करना सबसे निंदनीय और घृणित कृत्य है। यह सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध और निष्पादित नरसंहार केवल क्रूर और बर्बर दिमाग का उत्पाद हो सकता है।" उन्होंने कहा, षइस अभियान में मारे गए पर्यटकों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है और मैं घायलों के स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। मुझे लगता है कि इस भयावह हमले का जवाब देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, जिसने सभ्य व्यवहार के सभी मानदंडों को पार कर दिया है।

सिंह ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि पर्यटन सीजन और श्री अमरनाथ यात्रा, जो जल्द ही शुरू होने वाली है, में प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। ये दोनों कश्मीरियों के आर्थिक जीवन में प्रमुख कारक हैं और यह दोहरी त्रासदी होगी यदि इस अकल्पनीय अपराध के परिणामस्वरूप, इन दोनों घटनाओं में लोग भाग लेने से कतराते हैं। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, वास्तव में, पूर्ण भागीदारी हमारे दुश्मनों को एक स्पष्ट संदेश देगी कि हम इस तरह के कायरतापूर्ण कृत्यों से नहीं डरेंगे।

लद्दाख पर्यटन के....

2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद तत्कालीन जम्मू और कश्मीर राज्य से अलग कर दिया गया था। दोनों को अलग–अलग केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था।

ऑल लद्दाख होटल एवं गेस्ट हाउस एसोसिएशन के अध्यक्ष रिग्जिन वांगमो लाचिक ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा जारी नवीनतम यात्रा परामर्श में लद्दाख को जम्मू–कश्मीर के अंतर्गत रखा गया है, जिससे इस क्षेत्र में आने की योजना बना रहे विदेशी और घरेलू पर्यटकों में भ्रम और चिंता पैदा हो रही है।

लाचिक ने पीटीआई–भाषा को बताया, षहमने लद्दाख के मुख्य सचिव पवन कोतवाल को एक पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि वे पर्यटन सीजन की शुरुआत में क्षेत्र को यात्रा परामर्श के नकारात्मक प्रभाव से बचाने के लिए इस मामले को केंद्रीय विदेश मंत्रालय के समक्ष उठाएं।ष

एसोसिएशन ने जम्मू–कश्मीर में हुए दुर्भाग्यपूर्ण आतंकवादी हमलेष की कड़ी निंदा की और कहा कि वह अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने के सभी प्रयासों का समर्थन करता है। पत्र में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि इस तरह की सलाह में लद्दाख को शामिल करना "पुरानी या गलत सूचना" पर आधारित प्रतीत होता है और यह क्षेत्र की वर्तमान वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करता है।

उन्होंने पहलगाम घटना के परिणामों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, षलद्दाख सभी यात्रियों के लिए शांतिपूर्ण, सुरक्षित और आतिथ्यपूर्ण बना हुआ है।ष

लाचिक ने कहा, षहमने पहले ही कई मेहमानों द्वारा बुकिंग रद्द करने के मामले देखे हैं, जो गलती से लद्दाख को अशांत क्षेत्रों से जोड़ रहे हैं।ष

उन्होंने कहा, हमारा मानना घ्है कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की ओर से औपचारिक संदेश, जिसमें पुष्टि की गई है कि लद्दाख एक सुरक्षित और स्वागत योग्य गंतव्य बना हुआ है, विदेशी और घरेलू दोनों पर्यटकों के बीच विश्वास बहाल करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।ष

लेह और कारगिल दोनों जगहों पर आतंकवादी हमले के विरोध में सभी दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे तथा लोगों के समूहों ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया।

जमीयत–उल–उलेमा इस्ना अशरिया कारगिल के अध्यक्ष शेख नजीर मेहदी मोहम्मदी ने कहा, षइस तरह के हमले मानवता के लिए खतरा हैं और क्षेत्र और धर्म की परवाह किए बिना सभी को इसकी निंदा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद, चाहे कश्मीर में हो या कहीं और, एक ऐसी समस्या है जो मुख्य रूप से निर्दोष लोगों को निशाना बनाती है।

उन्होंने घातक हमले के पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करते हुए कहा, षयह सभी शांतिप्रिय लोगों की जिम्मेदारी है कि वे एकजुट होकर हिंसा के ऐसे कृत्यों को खारिज करें।

पहलगाम हमला : केंद्रीय...

में कहा, षपूरा देश दुखी है और गुस्से से भरा हुआ है। मैं पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करता हूं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, षइस कायरतापूर्ण घटना ने हमारी भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। लेकिन, कुछ लोगों ने अपने नापाक इरादे से कश्मीर में फिर से अलगाववाद और आतंकवाद को भड़काने की कोशिश की है।ष केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी विदेश यात्रा बीच में छोड़कर स्वदेश लौट आए और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अन्य काम टालकर श्रीनगर पहुंचे और षइस हमले पर उनका रुख स्पष्ट रूप से भारत और प्रधानमंत्री के आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण को दर्शाता है।ष

और, जैसा कि उन्होंने दोनों ने कहा है, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इस हमले के लिए जिम्मेदार प्रत्येक व्यक्ति को षकड़ी से कड़ी सजाष मिले। शेखावत ने कहा। उन्होंने कहा, इससे पहले सर्जिकल और एयर स्ट्राइक के ज़रिए भारत ने दुनिया को संदेश दिया है कि भारत विरोधी गतिविधियाँ, चाहे वे भारत की धरती से हों या देश के बाहर से, बर्दाश्त नहीं की जाएँगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने हमले के बाद जम्मू–कश्मीर सरकार और पर्यटन विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया है, शेखावत ने कहा, षमैं सभी के संपर्क में हूँ, मेरा कार्यालय भी, मेरे सचिव भी जम्मू–कश्मीर में पर्यटन सचिव, जम्मू–कश्मीर के मुख्य सचिव के संपर्क में हैं।ष

उन्होंने कहा, षहम लगातार संपर्क में हैं और उस पर नज़र रख रहे हैं। और, हम इस घटना के कारण कश्मीर में पर्यटन और पूरे देश में पर्यटन पर पड़ने वाले असर को कम करने की पूरी कोशिश करेंगे।ष

बैठक में अपने उद्घाटन भाषण में, केंद्रीय मंत्री, जो सरकार में संस्कृति विभाग भी रखते हैं, ने ८।ठ। बैठक की "आवृत्ति बढ़ाने" का सुझाव दिया, और अफसोस जताया कि दो लगातार बैठकों के बीच देरी या लंबा अंतराल बोर्ड या उसके सदस्यों के लिए अनुकूल स्थिति नहीं है।

सीएबीए की 37वीं बैठक 14 जून, 2022 को तत्कालीन केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी की अध्यक्षता में हुई थी।

संसद का एक सदस्य पांच साल के लिए चुना जाता है, और अगर सीएबीए की बैठक तीन साल या उससे अधिक के अंतराल के बाद होती है, तो यह एक नुकसान है, यह एक "राष्ट्रीय क्षति" है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण दृ संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान दृ ने सीएबीए की 38वीं बैठक की मेजबानी की। मंत्रालय

ने एक बयान में कहा कि बोर्ड का गठन 1945 में भारत सरकार ने एएसआई और भारतीय विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और राज्य सरकारों के बीच पुरातात्विक अनुसंधान करने के लिए मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने के लिए किया था।

हर तीन साल में केंद्रीय संस्कृति मंत्री की मंजूरी के बाद राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से बोर्ड का पुनर्गठन किया जाता है, जो सीएबीए के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य करते हैं।

संस्कृति मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा, षसीएबीए की 38वीं बैठक में सलाहकार बोर्ड के सदस्यों से प्राप्त प्रस्तावों/सुझावों और पिछली बैठक के दौरान प्रस्तावों/सुझावों के लिए की गई कार्रवाई पर चर्चा की जाएगी।ष

पहलगाम आतंकी हमला...

अमित शाह और सीएम उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद घायल पर्यटकों का हालचाल जानने के लिए जीएमसी अनंतनाग के एसोसिएटेड अस्पताल का दौरा किया। पिछले कई वर्षों में कश्मीर में नागरिकों पर हुए सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक में पहलगाम के बैसरन मैदानी इलाकों में मंगलवार को आतंकवादियों ने कम से कम 26 लोगों – जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे – की हत्या कर दी।

हिंदू संस्थानों और वक्फ बोर्ड की तुलना गलत, अधिकतम 2 गैर-मुस्लिम होंगे सदस्य..वक्फ पर केंद्र सरकार का सुप्रीम कोर्ट में जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली : वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल किया है. केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने सर्वोच्च अदालत में हलफनामा दायर किया है जिसमें अदालत में दायर याचिकाओं में लगाए गए सभी आरोपों को नकारा है. सरकार ने कहा है कि वक्फ कानून 2025 से किसी भी तरह के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता. सरकार ने अदालत से कहा है कि उच्च अदालत किसी प्रावधान पर प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से रोक नहीं लगाए. अदालत वक्फ मामले पर अंतरिम रोक न लगाते हुए पूरी सुनवाई कर अंत में कोई फैसला ले. सरकार ने कहा है कि सर्वोच्च न्यायालय के पास संवैधानिकता को जांचने की ताकत है लेकिन संसद ने जिस कानून को पारित किया है, उस पर रोक लगाना ठीक नहीं है.

केंद्र सरकार ने हलफनामे में ये बातें कही हैं दृ

सर्वोच्च अदालत में दायर याचिकाओं में किसी भी व्यक्तिगत मामले में अन्याय की शिकायत नहीं की गई है, ऐसे में ये किसी नागरिक अधिकार का मसला नहीं है. हिन्दू धार्मिक संस्थानों के प्रबंधन से तुलना या समानता किया जाना निराधार है.

वक्फ संशोधन कानून मुस्लिम समाज की बेहतरी और पारदर्शिता के लिए लाया गया कानून है, जिससे किसी संवैधानिक अधिकार का हनन नहीं होता.

वक्फ राज्य बोर्डों और राष्ट्रीय परिषद की तुलना चौरिटी जैसे व्यक्तिगत पद से नहीं की जा सकती. वक्फ संशोधन कानून इस बात की पुष्टि करता है कि वक्फ संपत्ति की पहचान, वर्गीकरण और रेगुलेशन कानूनी मानकों तथा न्यायिक निगरानी के अधीन होना चाहिए.

वक्फ कानून का विधायी डिजाइन यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी व्यक्ति को अदालत की पहुंच से वंचित नहीं किया जाए.

48 घंटे से पाक रेंजर्स की हिरासत में है बीएसएफ का जवान, वापस लाने की कवायद जारी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : बीएसएफ जवान पूर्णब कुमार शॉ पिछले 48 घंटे से पाक रेंजर्स की हिरासत में है. केंद्र सरकार की ओर से उसे वापस लाने की कवायद की जा रही है. शुक्रवार को बीएसएफ के डीजी दलजीत चौधरी ने गृह सचिव को पाक रेंजर्स के द्वारा हिरासत में लिए गए बीएसएफ के जवान की जानकारी दी. बीएसएफ के जवान को फिरोजपुर से पाक रेंजर्स ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर पकड़ा था. पिछले 48 घंटे से पाक रेंजर्स की हिरासत में बीएसएफ का जवान है. जवान को वापस लाने की कवायद जारी है. फ्लैग मीटिंग के लिए आज फिर बीएसएफ ने पाक रेंजर्स को बोला. फ्लैग मीटिंग जल्द होने की संभावना है.

बता दें कि बीएसएफ जवान पूर्णब कुमार शॉ बुधवार दोपहर से पाकिस्तान में हिरासत में हैं. शॉ, जिन्होंने हाल ही में पंजाब के फिरोजपुर जिले में भारत–पंजाब सीमा पर ड्यूटी ज्वाइन की थी, बुधवार को जीरो लाइन के पास खेतों में काम कर रहे सीमावर्ती ग्रामीणों (किसानों) की सहायता करते समय गलती से सीमा पार कर गए थे और उन्हें पाकिस्तान सीमा सुरक्षा बल ने पकड़ लिया था.

पाकिस्तान रेंजर्स से फ्लैग मीटिंग की को. शिश जारी

मामले से अवगत एक अधिकारी ने कहा,

"आज सुबह, पाकिस्तान रेंजर्स ने फ्लैग मीटिंग के अनुरोध का जवाब नहीं दिया. हमारी टीमें झंडे के साथ सीमा पर थीं, जो कि आम बात है, लेकिन वे नहीं आईं. हमने मुख्यालय को सूचित कर दिया है. बीएसएफ जवान की रिहाई सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं."

उन्होंने कहा कि बुधवार और गुरुवार को दो बैठकें अनिर्णायक रहीं. पश्चिम बंगाल के हुगली निवासी शॉ, जो 10 अप्रैल से भारत–पंजाब सीमा पर एक तदर्थ टीम के साथ तैनात थे, अपनी वर्दी पहने हुए थे और ड्यूटी पर थे, जब उन्होंने अनजाने में सीमा पार कर ली.

अधिकारी ने कहा, बाड़ के पार एक छोटा सा खंभा है, जो सीमा है. यह बाड़ के आगे एक अदृश्य रेखा है. हमारे पास केवल भारतीय पक्ष में सीमा बाड़ है. कांस्टेबल इस क्षेत्र में नया था और उसने गलती से अदृश्य रेखा पार कर ली. बीएसएफ ने हमेशा उन विदेशियों को निहत्थे वापस लौटाया है जो गलती से सीमा पार कर जाते हैं. पिछले महीने ही, ऐसे ही एक पाकिस्तानी नागरिक को वापस लौटाया गया था.

पहलगाम आतंकी हमले से भारत–पाकिस्तान में तनाव

यह घटना, जो गुरुवार को सामने आई, पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बढ़े हुए अलर्ट के बीच हुई और उस दिन जब भारत ने पहलगाम के पास हुए आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ दंडात्मक कूटनीतिक उपायों की एक श्रृंखला की शुरुआत की, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए.

शॉ फिरोजपुर जिले के ममदोट ब्लॉक में कोबरा बाड़ के पार गेहूं की कटाई कर रहे स्थानीय किसानों के समूह की रखवाली कर रहे थे, जब वे सीमा पार कर गए. अधिकारियों ने बताया कि शॉ वर्दी में थे और उनके पास उनकी जी2 सर्विस राइफल, तीन मैगजीन और 60 राउंड थे.

बीएसएफ जवान की पत्नी ने लगाई गुहार

शॉ की पत्नी रजनी ने पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्र से अपने पति की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की अपील की. घ्उन्होंने गुरुवार शाम को संवाददाताओं से कहा, "मुझे उनके एक सहकर्मी से पता चला, जिसने मुझे बताया कि उन्हें पाकिस्तानी सैनिकों ने पकड़ लिया है और उन्हें वापस लाने के लिए फ्लैग मीटिंग चल रही है. मैं राज्य और केंद्र सरकार से अपील करूंगी कि वे सुनिश्चित करें कि मेरे पति जल्द से जल्द सुरक्षित घर लौट आएं."

घटनाक्रम से परिचित सुरक्षा अधिकारियों ने कहा है कि इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं और आमतौर पर फ्लैग मीटिंग और आपसी समझ के जरिए इनका समाधान किया जाता है.

पहलगाम में जब लोगों का धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी गयी तो इसे आतंकी घटना कहेंगे या जिहादी हमला?

नीरज कुमार दुबे

नई दिल्ली : जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हंसते खेलते माहौल में एकाएक मातम छा जाने से हर भारतीय का दिल भर आया है। 28 पर्यटकों के मारे जाने की घटना बड़ी दुखद है लेकिन यह देखना भी दुखद है कि इस हमले की कुछ लोग सही से निंदा भी नहीं कर पा रहे हैं। जिस घटना में लोगों का धर्म पूछ पूछ कर मारा गया हो उसे आतंकवादी घटना कहा जा रहा है जबकि यह सीधा सीधा जिहाद का मामला लगता है क्योंकि पर्यटकों का धर्म पूछ कर उन्हें गोली मारी गयी। यही नहीं, हर मोर्चे पर विफल संयुक्त राष्ट्र को देखिये उसके महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने पहलगाम के घटनाक्रम को ''सशस्त्र हमलाश्श बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र को नहीं पता कि सशस्त्र हमले और आतंकवादी या जिहादी हमले में क्या फर्क होता है?

इसके अलावा, कश्मीर को लेकर अपना प्रोपेगेंडा चलाने वाला अंतरराष्ट्रीय मीडिया 26 भारतीयों की मौत पर भी अपना खेल जारी रखे हुए है। यकीन ना हो तो बीबीसी की खबर देखिये जिसकी हेडलाइन है– ॅिवबा ंदक ंदहमत ंजिमत हनदउमद ापसस 26 जवनतपेजे पद प्दकपंद–ंकउपदपेजमतमक ज्ञौउपत, क्या गनमैन और आतंकवादी या जिहादी के बीच का फर्क बीबीसी को नहीं पता है? अल जजीरा की खबर को देखिये उसकी हेडलाइन है– ज्ञौउपत ंजजंबा सपअमरू प्दकपं मंतबीमे वित हनदउमद ंजिमत 26 ापससमक पद चैंसहंउ, सवाल उठता है कि क्या इन मीडिया संस्थानों को यह समझाना पड़ेगा कि गनमैन या

आतंकवादी अथवा जिहादी के बीच क्या फर्क होता है? इसके अलावा, जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता उनसे यह भी पूछा जाना चाहिए कि आतंकवादियों के नाम एक खास धर्म से संबंधित क्यों होते हैं? जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता उनसे पूछा जाना चाहिए कि पहलगाम में मासूम पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद क्यों मारा गया? क्यों उनसे कलमा पढ़ने को कहा गया और कलमा नहीं पढ़ पाने पर उन्हें गोली मार दी गयी? सवाल उठता है कि क्यों किसी पर्यटक की पैंट उतार कर यह जांचा गया कि उसका खतना हुआ है या नहीं? क्यों खतना नहीं पाये जाने पर उसे गोली मार दी गयी?

देखा जाये तो आतंकवाद का कोई धर्म होता हो या नहीं लेकिन अपने आसपास के घटनाक्रमों पर ही गौर कर लें तो साफ प्रतीत होता है कि आतंकवाद से सर्वाधिक पीड़ित धर्म हिंदू है। भारत में बहुसंख्यक होने के बावजूद हिंदुओं को गोली मार दी जाती है? अपने घर से पलायन करने पर उन्हें मजबूर कर दिया जाता है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं की तो बात ही छोड़ दीजिये वहां तो अब उनके अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है।

बहरहाल, पहलगाम मामले में एनआईए ने जांच का काम संभाल लिया है। लेकिन जरूरी है कि इस समूचे घटनाक्रम के पीछे मौजूद उद्देश्य को समझ कर सही कार्रवाई की जाये। हमारी एजेंसियों को यह ध्यान रखना चाहिए कि आतंकवादी धर्म के आधार पर लोगों को मार कर गये हैं। हमारी एजेंसियों को इस बात का संज्ञान लेना चाहिए कि पीड़ित परिवारों ने बताया है कि आतंकवादियों ने उन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थन करने का आरा. ेप लगाया है। देखा जाये तो यह सीधे सीधे भारत की चुनी हुई सरकार को चुनौती देने का मामला बनता है।

पहलगाम हमला : भारत ने विदेशी दूतों को जानकारी दी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : भारत ने गुरुवार को अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, रूस, जर्मनी और कई अन्य देशों के राजदूतों को पहलगाम आतंकी हमले और सीमा पार आतंकवाद से इसके संबंधों के बारे में जानकारी दी। मामले से परिचित लोगों ने यह

जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने राजनयिकों को निर्दोष नागरिकों पर हुए कायराना आतंकी हमले के विभिन्न पहलुओं और आतंकवाद के खिलाफ भारत की "जीरो टॉलरेंस" की दृढ़ नीति से अवगत कराया।

यह ब्रीफिंग भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ कई कदमों की घोषणा के एक दिन बाद आयोजित की गई, जिसमें पाकिस्तानी सैन्य अताशे को निष्कासित करना, 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करना और अटारी भूमि–पारगमन चौकी को तत्काल बंद करना शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने पहलगाम हमले के सीमा पार संबंधों के मद्देनजर पाकिस्तान के खिलाफ दंडात्मक उपायों को पुख्ता

किया, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, नॉर्वे, इटली, इंडोनेशिया और मलेशिया के राजनयिक भी ब्रीफिंग का हिस्सा थे।

कल रात, मिसरी ने कहा कि पहलगाम हमले के सीमा पार संबंधों को सीसीएस को दी गई ब्रीफिंग में "सामने लाया गया" जिसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ कदम उठाने का फैसला किया गया।

नई जवाबी कार्रवाइयों ने दोनों पक्षों के बीच कुछ मौजूदा राजनयिक तंत्रों को बंद कर दिया, जिससे द्विपक्षीय संबंध एक और नए निम्न स्तर पर पहुंच गए। आतंकी हमले पर देशव्यापी आक्रोश के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि पहलगाम के हत्यारों का "दुनिया के अंत तक" पीछा किया जाएगा और उन्होंने "हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन्हें दंडित करने" का वादा किया।

बिहार के मधुबनी में एक संबोधन में, मोदी ने हमले के पीछे के आतंकवादियों को दंडित करने की कसम खाई और कहा कि भारत की आत्मा आतंकवाद से कभी नहीं टूटेगी।

उन्होंने कहा, "दोस्तों, आज बिहार की धरती से, मैं पूरी दुनिया से कहता हूं कि भारत हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा।"

उन्होंने कहा, ष्हम उन्हें धरती के छोर तक खदेड़ेंगे। आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी।

बड़ा खुलासा : मोबाइल में ये ऐप न होता तो पहलगाम के घने जंगलों से टूरिस्ट तक नहीं पहुंच पाते आतंकी

एजेंसी

नई दिल्ली : पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आतंकियों तक पहुंच के लिए जांच एजेंसियों ने अपनी जांच शुरू कर दी है. हमले को लेकर लगातार नए खुलासे भी हो रहे हैं. सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि इन आतंकवादियों के पास एक खास मोबाइल ऐप था जिसका इस्तेमाल कर ये पहलगाम के घने जंगलों से होते हुए बैसरन इलाके तक पहुंचने में कामयाब रहे. यहीं पर आतंकियों ने धर्म पूछकर पर्यटकों को गोली मार दी. हमले में 28 लोगों की जान चली गई.

खुफिया सुरक्षा एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक आतंकवादियों ने पहलगाम के घने जंगलों में टूरिस्ट स्पाट तक पहुंचने के लिए अल्पाइन क्वेस्ट ऐप्लीकेशन का इस्तेमाल किया था. इससे पहले जम्मू के जंगलों में भी आतंकी वारदात को अंजाम देने के लिए आतंकवादियों ने इस ऐप का इस्तेमाल किया था.

पहलगाम के जंगलों में किया ऐप का इस्तेमाल

सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से उस ऐप की ट्रैकिंग की भी गई जिससे बचने के लिए आतंकवादियों ने इसका इस्तेमाल पहलगाम के जंगलों में किया गया.

सूत्रों के मुताबिक आतंकवादी इस इंक्रिप्टेड एप्लीकेशन के जरिए उस टूरिस्ट स्पॉट पर पहुंचने में कामयाब रहे जहां पर पर्यटकों की बहुत ज्यादा भीड़ थी.

आतंकी हमले के बाद इस मामले की जांच कर रही जांच एजेंसियों के मुताबिक भारतीय खुफिया एजेंसी की ट्रैकिंग से बचने के लिए पाकिस्तानी सेना ने इनकी मदद की थी. पाकिस्तान सेना की शह पर बाकायदा इस मोबाइल ऐप को तैयार किया गया था. बॉर्डर पार हैंडलर ने दी ट्रेनिंग

यही नहीं मोबाइल ऐप बनाने के बाद इसके इस्तेमाल को लेकर बाकायदा ट्रेनिंग भी दी गई. आतंकवादियों को इस ऐप का कैसे इस्तेमाल करना है इसकी पेशेवर ट्रेनिंग बॉर्डर पार उनके हैंडलर की ओर से दी गई. खास बात यह है कि पहलगाम आतंकी हमले में शामिल सारे आतंकियों को भी इस ऐप को चलाने की ट्रेनिंग दी गई थी.

इससे पहले खुफिया एजेंसियों को यह जानकारी हाथ लगी थी कि पहलगाम हमला लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद की साझी साजिश है. ये आतंकी संगठन पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी के इशारे पर छोटे–छोटे 'हिट स्क्वॉड' का इस्तेमाल कर आतंकी हमले कर रहे हैं.

गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

यह बैठक जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर हुई है, जिसमें 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिनमें से ज़्यादातर पर्यटक थे और जिनमें एक नेपाली नागरिक भी शामिल था। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बैठक की तस्वीर के साथ कहा, ष्केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।ष् लक्षित हमले में, आतंकवादियों के एक समूह ने भोजनालयों के आसपास घूमने वाले, टट्टू की सवारी करने वाले या अपने परिवारों के साथ शांत सुंदरता के लिए श्मिनी स्विट्जरलैंडश कहे जाने वाले घास के मैदान में पिकनिक मनाने वाले पुरुष पर्यटकों की हत्या कर दी।

न खोले जाएंगे गेट और न होगी कोई सेरेमनी.. .अटारी बॉर्डर पर पाक के साथ सभी रस्म खत्म

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर से तनाव का माहौल बन गया है. भारत के एक्शन के बाद आतंक को पनाह देने वाला पाकिस्तान पूरी तरह से खौफ में आ गया है. भारत के एक्शन के बाद पाकिस्तान ने भी कई फैसले लिए. इसके बाद भारत ने अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तान के साथ सभी रस्म को खत्म करने का ऐलान किया.

कहा गया है कि अटारी बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट परेड के दौरान भारत की तरफ के गेट नहीं खोले जाएंगे और ना ही पाकिस्तान के जवानों के साथ हाथ मिलाने की सेरेमनी होगी. बीएसएफ ने अपने जारी बयान में कहा है कि एक और शांति और दूसरी तरफ उकसाने के लिए इस तरह की आतंकी हरकतें एक साथ नहीं चल सकती.

बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर ने ट्वीट कर कहा कि अटारी बॉर्डर, हुसैनीवाला बॉर्डर और सदकी बॉर्डर पर झंडा उतारने की रस्म के दौरान ना तो गेट खोले जाएंगे और ना ही झंडा उतारने के बाद पाकिस्तान के जवानों के साथ हाथ मिलाने की रस्म होगी.

बिना गेट खोले उतार लिए गए दोनों देशों झंडे

आज जो सेरेमनी हुई उसमें बिना गेट खोले ही दोनों देशों के झंडे उतार लिए गए. झंडा उतारने के बाद दोनों देशों के जवानों ने हाथ भी नहीं मिलाया. इसके बाद परेड समाप्त हो गई.

पहलगाम आतंकी हमले का दिखने लगा असर, 10 में से 6 टूरिस्ट नहीं जाना चाहते कश्मीर, ये है पूरा सर्वे

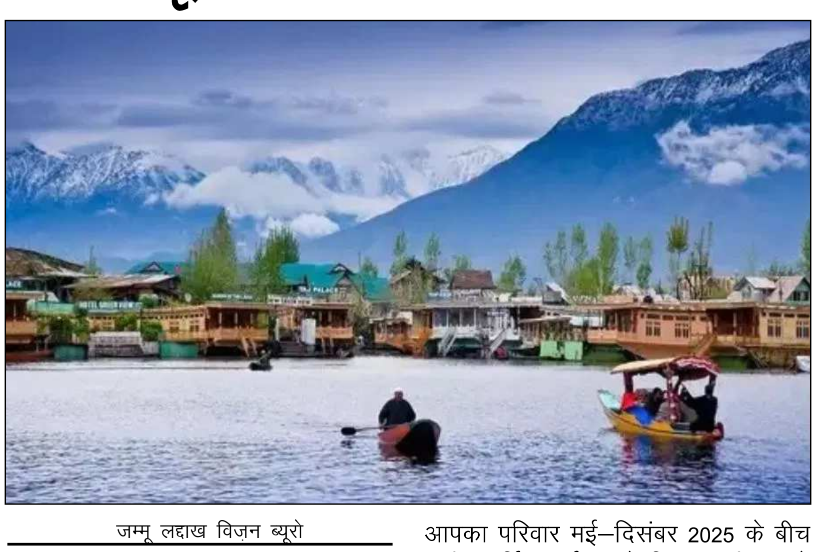

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : पहलगाम हमले के बाद से ही जम्मू कश्मीर के पर्यटन के बाजार पर खतरा मंडराना शुरू हो गया था. लोकल सर्कल्स के सर्वे में सामने आया है कि 10 में से 6 परिवार 2025 के लिए कश्मीर यात्रा की प्लानिंग और बुकिंग रद्द करेंगे. सर्वे में शामिल 10 में से 3 यात्री अगले 3 सालों में कभी भी कश्मीर की यात्रा कर सकते हैं. 10 में से 3 दूसरे लोग स्थिति से निपटने के लिए सरकार के तरीके के आधार पर अपने कश्मीर जाने की प्लानिंग करेंगे. सर्वेक्षण में सबसे पहले उन यात्रियों से पूछा गया, जिन्होंने 2025 में कश्मीर जाने की योजना बनाई थी या बुकिंग की थी. उनसे पूछा गया कि क्या आप या आपका परिवार मई–दिसंबर 2025 के बीच छुट्टी, धार्मिक पर्यटन के लिए कश्मीर जाने की योजना बना रहा था? इस सवाल का जवाब देने वाले 6,807 लोगों में से 62 प्रतिशत ने कहा कि हां, हम योजना बना रहे थे. सर्वे में लोगों ने कहा कि अब बुकिंग रद्द कर रहे हैं, जबकि 38 प्रतिशत लोगों ने कहा कि हां, हम योजना बना रहे थे, और हम अभी भी यात्रा करने की योजना बना रहे हैं. सर्वेक्षण में शामिल 10 में से 6 यात्री, जो इस साल मई और दिसंबर के बीच कश्मीर जाने की योजना बना रहे थे, अपनी बुकिंग रद्द करने की संभावना रखते हैं. 2025 में कश्मीर में छुट्टियां मनाने की योजना बना रहे लोग अपनी बुकिंग और योजनाओं के साथ क्या करने जा रहे हैं? सर्वेक्षण में इस नवीनतम हमले के बाद कश्मीर की यात्रा के संबंध में लोगों के 3 साल के दृष्टिकोण को भी शामिल किया गया है. सर्वेक्षण में देश के 361 से अधिक जिलों में रहने वाले यात्रियों से 21,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं मिली हैं. 63 प्रतिशत पुरुष, 37 प्रतिशत महिलाएं थीं. 41 प्रतिशत टियर 1, 28 प्रतिशत, टियर 2 और 31 प्रतिशत टियर 3 और 4, 5 और ग्रामीण क्षेत्रों से शामिल थे.

पिछले कुछ सालों में क्या रही संख्या?

पिछले कुछ सालों में कश्मीर में आने वाले पर्यटकों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है. पिछले महीने जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा को सूचित किया था कि 2025 में अब तक 2.3 करोड़ पर्यटक आ चुके हैं. पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में 18,884,317 पर्यटक और 2023 में 21,180,011 पर्यटक जम्मू–कश्मीर आए.

पर्यटन क्षेत्र के हितधारक, अलगाववादियों की हड़ताल के आह्वान से मुक्त अच्छे सीजन की उम्मीद कर रहे थे. उनका कहना है कि पहलगाम में हमला, देश भर से आने वाले लोगों को नकारात्मक संदेश देगा. ये सबसे ज्यादा मांग वाले पर्यटन स्थलों में से एक है. पहलगाम में हमला अमरनाथ यात्रा का भी आधार माना जा रहा है. पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होने के ठीक पहले तीर्थयात्रियों की भावनाओं को प्रभावित करने की भी उम्मीद है. राज्य पर्यटन के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में अमरनाथ यात्रा के लिए 21 मिलियन से ज्यादा तीर्थयात्री कश्मीर आए.

पहलगाम टेरर अटैक : पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देना जरूरी... आतंकी हमले पर भड़के मौलाना तौकीर रजा

एजेंसी

नई दिल्ली : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर देशभर में आक्रोश है. हर कोई इस जघन्य घटना की निंदा कर रहा है और आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा है.

इस बीच इत्तेहाद–ए–मिल्लत काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा का बयान सामने आया है. उन्होंने दहशतगर्दों की इस कायराना हरकत के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार बताया है और चेतावनी दी की अब अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने कहा कि अब सिर्फ सर्जिकल स्ट्राइक नहीं, सीधी लड़ाई होनी चाहिए.

बात करते हुए आईएमसी अध्यक्ष मौलाना तौकीर राजा ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में जो आतंकी घटना हुई है वो निंदनिया है.

ये हमला सिर्फ कश्मीर नहीं, पूरे भारत पर है. उन्होंने कहा कि दहशतगर्दों की ये हरकत बेहद शर्मनाक और कायराना है. मौलाना ने सरकार से पाकिस्तान से सभी रिश्ते तुरंत खत्म करने की मांग साथ ही भारत में मौजूद पाकिस्तानी एंबेसी पर तालेबंदी की अपील की.

जम्मू लद्दाख विज़न

सोमवार, जम्मू, 28 अप्रैल, 2025

www.jammuladakhvision.com

पहलगाम हमला : आतंकियों ने एलआईसी अधिकारी को मारने से पहले उससे कलमा पढ़ने को कहा, परिजनों का कहना है

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

इंदौर : पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों ने ईसाई समुदाय से ताल्लुक रखने वाले इंदौर के एक एलआईसी प्रबंधक को गोली मारने से पहले उससे श्कलमाश पढ़ने को कहा, उनके रिश्तेदारों ने बुधवार को दावा किया और हमलावरों के लिए कठोरतम सजा की मांग की।

सुशील नथानियल (58), जो ईस्टर मनाने के लिए अपनी पत्नी, बेटी और बेटे के साथ जम्मू–कश्मीर गए थे, मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए 26 लोगों में शामिल थे। पीड़ित के रिश्तेदारों ने कहा कि एक साथ खुशी का त्योहार मनाने के लिए परिवार की यात्रा एक त्रासदी में बदल गई और इससे ज्यादा दुखद कुछ नहीं हो सकता।

अधिकारियों के अनुसार, नथानियल इंदौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर मध्य प्रदेश के अलीराजपुर में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में प्रबंधक के रूप में तैनात थे। उनके चचेरे भाई संजय कुम. रावत ने पीटीआई को बताया, ष्हमने सुशील नथानियल की पत्नी और बेटे से फोन पर बात की है। उन्होंने हमें बताया कि आतंकवादियों ने सुशील का नाम पूछा और उसे घुटनों के बल बैठने के लिए मजबूर किया, फिर उन्होंने उससे कलमा (इस्लामी आस्था को व्यक्त करने वाला वाक्यांश) पढ़ने के लिए कहा। जब सुशील ने कहा कि वह कलमा नहीं पढ़ सकता, तो आतंकवादियों ने उसे गोली मार दी।ष कुमरावत ने कहा कि जब नथानियल की बेटी आकांक्षा (35) अपने पिता पर गोलियां चलती देख डर कर उनकी ओर दौड़ी, तो आतंकवादियों ने उसके पैर में गोली मार दी। उन्होंने कहा कि आकांक्षा का जम्मू–कश्मीर में इलाज चल रहा है।

कुमरावत ने कहा, कश्मीर में कायराना हमला करके 26 निर्दोष लोगों की जान लेने वाले आतंकवादियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि यह पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बने। उन्होंने कहा कि उनके शोकाकुल परिवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर पूरा भरोसा है।

मृतक की चचेरी बहन इंदु डावर ने भी दावा किया कि घटनास्थल पर मौजूद उनके परिवार के सदस्यों के अनुसार, आतंकवादियों ने उनकी धार्मिक पहचान पूछने के बाद सुशील नथानियल को गोली मार दी।

उन्होंने कहा, ष्सुशील अपने परिवार के साथ कश्मीर गए थे। हम न्याय चाहते हैं और हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।ष

उन्होंने कहा कि हमले के दौरान नाथनियल की बेटी आकांक्षा (35) के पैर में गोली लगी थी और उसका जम्मू–कश्मीर में इलाज चल रहा है।

डावर ने कहा कि आतंकी हमले के दौरान नाथनियल के साथ उनकी पत्नी जेनिफर (54) और उनका बेटा ऑस्टिन उर्फ घ्गोल्डी (25) भी थे। उन्होंने कहा कि मां–बेटे की जान बच गई, लेकिन वे सदमे में हैं।

नाथनियल की एक अन्य रिश्तेदार गेम्मा विकास ने कहा कि आतंकी हमले में मारे गए एलआईसी अधिकारी ईस्टर के मौके पर अपने परिवार के साथ कश्मीर गए थे।

उन्होंने कहा, ष्इससे ज्यादा दुखद कुछ नहीं है कि त्योहार मनाने गए पर्यटकों की खुशी मातम में बदल गई। हम चाहते हैं कि सरकार तुरंत आतंकवादियों को खोज. कर खत्म करे।ष

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने नैथेनियल

घाटी में काम कर रहे कश्मीरी पंडित कर्मचारियों ने पहलगाम हमले के खिलाफ मौन धरना दिया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : घाटी में काम करने वाले कश्मीरी पंडित कर्मचारियों के एक समूह ने पहलगाम हमले के खिलाफ गुरुवार को मौन धरना दिया और कहा कि इस तरह की हत्याएं स्वीकार्य नहीं हैं।

प्रधानमंत्री पैकेज के तहत काम करने वाले समुदाय के सदस्यों ने सरकार से उनकी सुरक्षा के बारे में भी सोचने को कहा।

हम, प्रधानमंत्री पैकेज के कर्मचारी, पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए घाटी भर से आए हैं। हम हत्याओं की निंदा करने आए हैं। हम कहना चाहते हैं कि इस तरह की हत्याएं स्वीकार्य नहीं हैं। हम यहां न्याय मांगने भी आए हैं,ष कर्मचारियों में से एक अमित कौल ने संवाददाताओं से कहा।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में कश्मीर में स्थिति शांतिपूर्ण थी, लेकिन पहलगाम हत्याकांड ने पूरी घाटी को परेशान कर दिया है।

हम कर्मचारी भी परेशान हैं। हम कहना चाहते हैं कि अगर कुछ दिनों के लिए यहां मौज–मस्ती करने आए पर्यटक सुरक्षित नहीं हैं, तो यहां काम करने वाले अल्पसंख्यक कर्मचारी कैसे सुरक्षित हैं। यह हमारा मुद्दा है, यह हमारी सुरक्षा और संरक्षा का सवाल है,ष उन्होंने कहा।

कर्मचारियों ने कहा कि वे अपनी सुरक्षा और संरक्षा के बारे में ष्कुछ बिंदुओं पर चर्चा करने के लिएष श्रीनगर के डिप्टी कमिश्नर और कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर के कार्यालयों तक मार्च करेंगे।

हम कुछ बिंदुओं को उजागर करना चाहते हैं जिन्हें हम नियमित रूप से सरकार के ध्यान में लाते रहे हैं। यह हमारी मांग और ज़रूरत दोनों है कि सुरक्षा प्रदान की जाए। हम सरकार से पूछते हैं कि उसने इस बारे में क्या सोचा है? एक अन्य कर्मचारी विकास हांडू ने कहा।

शाहरूख खान ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की, इसे हिंसा का अमानवीय कृत्य बताया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

मुंबई : सुपरस्टार शाहरुख खान ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर अपना दुख और आक्रोश व्यक्त किया है, जिसमें दो विदेशी नागरिकों सहित 26 लोगों की जान चली गई।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बात करते हुए, अभिनेता ने इस भयावह घटना की कड़ी निंदा की, इसे षविश्वासघात और हिंसा का अमानवीय कृत्यष कहा।

अपने भावुक पोस्ट में, शाहरुख ने लिखा, षपहलगाम में हुई हिंसा के विश्वासघात और अमानवीय कृत्य पर दुख और गुस्से को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

ऐसे समय में, कोई केवल भगवान की ओर मुड़ सकता है और पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना कर सकता है और अपनी गहरी संवेदना व्यक्त कर सकता है।

हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट, मजबूत होकर खड़े हों और इस जघन्य कृत्य के खिलाफ न्याय पाएं।

गलती से सीमा पार करने पर पाक रेंजर्स ने बीएसएफ जवान को हिरासत में लिया, रिहाई के लिए बातचीत जारी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान को पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया है, क्योंकि वह गलती से पंजाब की सीमा पार कर गया था। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि उसकी रिहाई के लिए दोनों बलों के बीच बात. चीत चल रही है। उन्होंने बताया कि 182वीं बटालियन के कांस्टेबल पीके सिंह को बुधवार को फिरोजपुर सीमा पार पाकिस्तान रेंजर्स ने पकड़ा। जवान वर्दी में था और उसके पास सर्विस राइफल थी। वह किसानों के साथ था, जब वह छाया में आराम करने के लिए आगे बढ़ा और रेंजर्स ने उसे पकड़ लिया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ जवान की रिहाई के लिए दोनों बलों के बीच फ्लैग मीटिंग चल रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं असामान्य नहीं हैं और दोनों पक्षों के बीच पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं।

यह घटना पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हुई है, जिसमें भारत ने आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं।

पहलगाम आतंकी हमला : डीजीसीए ने एयरलाइनों से श्रीनगर के लिए उड़ानें बढ़ाने को कहा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : विमानन नियामक डीजीसीए ने बुधवार को एयरलाइनों से पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पर्यटकों की वापसी की सुविधा के लिए श्रीनगर से उड़ानों की संख्या बढ़ाने को कहा। इसके अलावा, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइनों से श्रीनगर उड़ान टिकटों के रद्दीकरण और पुनर्निर्धारण शुल्क को माफ करने पर विचार करने का अनुरोध किया है।

आतंकवादियों ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे और कई अन्य घायल हो गए।

एक सलाह में, डीजीसीए ने कहा कि पहलगाम की घटना के बाद, अपने घर लौटने के इच्छुक पर्यटकों की अप्रत्याशित मांग है। "इस संबंध में, एयरलाइनों को बढ़ती मांग के जवाब में उड़ानों की संख्या बढ़ाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने और फंसे हुए पर्यटकों को निकालने की सुविधा के लिए श्रीनगर से भारत भर के विभिन्न गंतव्यों तक निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है

एयर इंडिया और इंडिगो बुधवार को श्रीनगर से अतिरिक्त उड़ानें संचालित कर रही हैं। इस बीच, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइनों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि श्रीनगर मार्ग पर हवाई किराए में कोई वृद्धि न हो।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश भर में अपने कैबिनेट सहयोगियों को तैनात किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : हाल की घटनाओं के मद्देनजर तथा देश के विभिन्न भागों में रह रहे जम्मू एवं कश्मीर के छात्रों और व्यापारियों में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज भारत भर के प्रमुख शहरों में कैबिनेट मंत्रियों को तैनात करने का निर्देश दिया।

जम्मू और कश्मीर सरकार के इन वरिष्ठ प्रतिनिधियों को संबंधित राज्य सरकारों में अपने समकक्षों के साथ निकट समन्वय स्थापित करने का काम सौंपा गया है। उनका कार्य जम्मू और कश्मीर के निवासियों की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण सुनिश्चित करना है, जो हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर संकट, चिंता या असुरक्षा का सामना कर रहे हैं।

"वर्तमान में अन्य राज्यों में रहने वाले हमारे छात्रों और व्यापारियों में सुरक्षा की भावना पैदा करने के उद्देश्य से, मैंने अपने कैबिनेट मंत्रियों को देश भर के विभिन्न शहरों में तैनात किया है। इन यात्राओं का उद्देश्य संबंधित राज्य सरकारों के साथ प्रयासों का समन्वय करना और जम्मू और कश्मीर के निवासियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना है," जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया। "जम्मू और कश्मीर सरकार अपने लोगों के साथ खड़ी रहेगी – कहीं भी, हर जगह," मुख्यमंत्री ने कहा।

पहलगाम आतंकी हमला : सीएम उमर अब्दुल्ला टट्टू राइड ऑपरेटर के अंतिम संस्कार में शामिल हुए

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में मारे गए एक टट्टू चालक के जनाजे की नमाज में हिस्सा लिया।

सीएम ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के हापतनार में मृतक सैयद आदिल हुसैन शाह के परिवार के सदस्यों से भी बातचीत की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, ष्शायद उसने उन्हें रोकने की कोशिश की और एक आतंकवादी की बंदूक छीनने की कोशिश की, इसलिए उसे निशाना बनाया गया।ष् मुख्यमंत्री ने कहा,

ष्हमें परिवार का ख्याल रखना होगा और उनकी मदद करनी होगी। मैं उन्हें यह भरोसा दिलाने आया हूं कि सरकार इस मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी है और हम उनके लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, करेंगे। पहलगाम पर्यटक रिसॉर्ट के बैसरन मैदान में मंगलवार को हुए हमले में सैयद आदिल मारा गया एकमात्र स्थानीय व्यक्ति था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

उत्पीड़न की रिपोर्ट के बाद बाहर पढ़ने वाले जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए सीएम के राबिता कार्यालय में हेल्पलाइन स्थापित की गई

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले और देश के विभिन्न हिस्सों में जम्मू और कश्मीर के छात्रों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों, उत्पीड़न और धमकियों की चिंताजनक रिपोर्टों के बाद, जम्मू और कश्मीर सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश के बाहर पढ़ रहे अपने छात्रों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की है।

श्रीनगर में राबिता कार्यालय में एक समर्पित टोल–फ्री हेल्पलाइन – 1800–8900–166 – स्थापित की गई है, ताकि धमकी या धमकी का सामना करने वाले किसी भी छात्र को सहायता और सहायता प्रदान की जा सके। हेल्पलाइन चौबीसों घंटे काम करेगी और शिकायतों को दूर करने, सहायता प्रदान करने और जहाँ भी ज़रूरत हो, स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करने के लिए सुसज्जित है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सामने आ रही स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है और जम्मू–कश्मीर के हर छात्र के अधिकारों, सम्मान को बनाए रखने और उनके लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की है, चाहे वे अपनी शिक्षा कहीं भी प्राप्त कर रहे हों।

हम विनम्रतापूर्वक और ईमानदारी से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों से इन कठिन समय में, कश्मीरी छात्रों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अटूट प्रतिबद्धता के साथ आगे आने की अपील करते हैं, जो खुद को घर से दूर पाते हैं। इन व्यक्तियों को, चाहे वे जम्मू–कश्मीर से बाहर यात्रा कर रहे हों या रह रहे हों, किसी भी तरह के उत्पीड़न, भेदभाव या धमकी से बचाया जाना चाहिए, – मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में कल आयोजित सर्वदलीय बैठक में पारित एक प्रस्ताव में कहा गया।

जम्मू और कश्मीर सरकार ने देश भर के सभी शैक्षणिक संस्थानों और राज्य प्रशासनों से जम्मू और कश्मीर के छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति या समूह के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

छात्रों और उनके परिवारों से कहा गया है कि वे किसी भी घटना या चिंता की सूचना टोल–फ्री हेल्पलाइन के माध्यम से दें।

सरकार ने रिपोर्ट किए गए हर वास्तविक मामले में त्वरित प्रतिक्रिया और आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया है। सहायता के लिए, संकट में फंसे लोगों को 1800–8900–166 (टोल–फ्री) पर कॉल करने के लिए कहा गया है।

पवन शर्मा की अपील : देशभर में जम्मू-कश्मीर छात्रों की सुरक्षा हो सुनिश्चित

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : पवन शर्मा ने केंद्र और राज्य सरकारों से देशभर में पढ़ रहे जम्मू–कश्मीर के छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्य सचिव पवन शर्मा ने पहलगाम, कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों की नृशंस हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह बर्बर घटना हमारे देश के सामने राष्ट्र विरोधी तत्वों की चुनौतियों की याद दिलाती है। मैं आतंकवाद के इस कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं और देश को आश्वस्त करता हूं कि मोदी सरकार अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी। शर्मा ने जोर देकर कहा कि सरकार इस जघन्य घटना को अंजाम देने वालों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने देश में किसी भी तरह के आतंकवाद या राष्ट्र विरोधी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारे सुरक्षा बल हमारे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं और हम उनके प्रयासों में उनका समर्थन करना जारी रखेंगे। शर्मा ने आगे कहा कि एक राष्ट्र के रूप में हम इस घटना से नाराज और आक्रोशित हैं, लेकिन यह आवश्यक है कि हम शांति और सद्भाव बनाए रखें। मैं केंद्र और राज्य सरकारों से अपील करता हूं कि वे यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लें कि देश भर में जम्मू–कश्मीर के छात्रों, कर्मचारियों और व्यापारियों को किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। हमें आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होना चाहिए और एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में काम करना चाहिए।

एसीबी ने रिश्वत लेते हुए पटवारी को जम्मू से गिरफ्तार किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : जम्मू–कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को जाल बिछाकर पटवारी हल्का कूल कलां (अरनिया), जम्मू को फर्द जारी करने के लिए 50,000 रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया। एक प्रवक्ता

ने एक बयान में कहा, ष्जम्मू–कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को एक शिकायत मिली थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि लोक सेवक नवीद अहमद, पटवारी हल्का कूल कलां (अरनिया) ने शिकायतकर्ता से लोन फर्द जारी करने के लिए अवैध रिश्वत की मांग की है।ष्

आरोपी ने लोन फर्द जारी करने के लिए शिकायतकर्ता से 1,00,000 (एक लाख) रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद, आरोपी ने शिकायतकर्ता से अग्रिम के रूप में 50,000 रुपये और साइट पर उसके आने पर शेष 50,000 रुपये लेने पर सहमति व्यक्त की, बयान में कहा गया है।

प्रवक्ता ने कहा, ष्चूंकि शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने आरोपी लोक सेवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से संपर्क किया।ष् उन्होंने कहा,

ष्शिकायत मिलने पर, एक गोपनीय सत्यापन किया गया, जिसमें संबंधित लोक सेवक द्वारा रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई और तदनुसार, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत एफआईआर संख्या 04/2025 पुलिस स्टेशन एसीबी जम्मू में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।ष्

उन्होंने कहा, ष्जांच के दौरान, राजपत्रित रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में एक ट्रैप टीम का गठन किया गया। टीम ने एक सफल जाल बिछाया और आरोपी लोक सेवक को स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। एसीबी टीम ने कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। ट्रैप टीम से जुड़े स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में उसके कब्जे से रिश्वत की रकम भी बरामद की गई। इसके अलावा, स्वतंत्र गवाह और मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में आरोपी के आवासीय घर की तलाशी ली जा रही है।ष् उन्होंने कहा कि मामले की आगे की जांच जारी है।

नए सिरे से 'संविधान बचाओ अभियान' शुरू करेगी कांग्रेस, सरकार को घेरने के लिए बनाया 5 सूत्रीय एजेंडा

एजेंसी

नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले पर एक तरफ 25 अप्रैल से सुनवाई है. दूसरी तरफ कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बयानबाजी को भी 'संविधान बचाओ अभियान' का हिस्सा बनाकर सरकार को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश करेगी. नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल–सोनिया की सुनवाई के दिन से 'संविधान बचाओ अभियान' के लिए केंद्रीय कांग्रेस ने पांच सूत्रीय एजेंडा तैयार किया है. इसमें राज्यवार सुझाव मांगे गए हैं.

कांग्रेस 21 से 24 अप्रैल के बीच देश भर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सफाई देने के बाद 25 अप्रैल से नए सिरे से 'संविधान बचाओ अभियान' शुरू करेगी. इसके लिए पार्टी थिंक टैंक ने 5 अहम मुद्दों की फेहरिस्त तैयार की है, जिसके जरिए बीजेपी और सरकार को संविधान विरोधी बताया जाए. आइए जानते हैं कांग्रेस का पांच सूत्रीय एजेंडा क्या है.

लोकसभा चुनाव में कुछ बीजेपी उम्मीदवारों के संविधान बदलने के बयान की तर्ज पर निशिकांत दुबे, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय मंत्री किरन रिजूजू जैसे नेताओं के सुप्रीम कोर्ट पर दिए बयानों को उठाया जाए.

राज्यसभा में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर पर अमित शाह के बयान को वीडियो क्लिप से साथ प्रचारित किया जाए.

चुनाव आयोग और राज्यपाल समेत संवैधानिक संस्थाओं पर बीजेपी के कब्जे के आरोप को पुख्ता किया जाए.

प्राइवेट उच्च शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण को लेकर सरकार का लचर रुख, सरकारी नौकरियों में रिक्त पद और यूपी में शिक्षक भर्ती मसले के मुद्दे को उठाकर सरकार को आरक्षण विरोधी बताया जाए.

आरएसएस के संविधान विरोधी इतिहास को तथ्यों के साथ उठाना और पर्चे छपवाना. कांग्रेस के मुताबिक, एक वक्त आरएसएस का संविधान की प्रतियां जलाना, मनुस्मृति की वकालत करना, बाबा साहेब की अर्थी निकालना और 52 सालों तक संघ मुख्यालय में तिरंगा नहीं फहराना जैसे मुद्दे इसके अहम हिस्से होंगे.

संविधान विरोधी है ये सरकाररू सुप्रिया श्रीनेत

छत्तीसगढ़ के रायपुर में कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ये सरकार संविधान विरोधी है. हम इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे. नेशनल हेराल्ड का फर्जी मामला बीजेपी के राजनीतिक प्रतिशोध के अलावा कुछ नहीं है.

शहीदों के सम्मान में दिल्ली मेट्रो की अनोखी पहल, जमकर हो रही तारीफ

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने परमवीर चक्र विज. ेता सभी वीर सैनिकों और शहीदों को एक अनूठे तरीके से श्रद्धांजलि दी है. डीएमआरसी ने पिंक लाइन पर सर एम. विश्वेश्वरैया मोती बाग मेट्रो स्टेशन पर वीर योद्धाओं उनके जीवंत चित्रों वाली दीवार को बनाया गया है. ये यात्रियों को अपने देश के वीर सैनिकों प्रति गर्व का अनुभव करा रही है और स्टेशन पर आते जाते लोगों को खूब आकर्षित भी कर रही है. दिल्ली मेट्रो की ये पहल सभी यात्रियों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के लिए की गई है.

दिल्ली मेट्रो पहले भी सैनिकों साहस और वीरता को सम्मान देने के लिए इस तरह की पहल करता रहा है. जिसमें राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन के एग्जिट गेट पर परमवीर चक्र विजेताआ. े के नाम वाली दीवार यात्रियों को आकर्षित करती है.

दिल्ली मेट्रो रेल ने अपने कई स्टेशनों शहीदों के नाम पर है, जिसमें मेजर मोहित शर्मा राजेंद्र नगर स्टेशन, अर्जन गढ़ और ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेशन शामिल है. यह अनोखी पहल उन सभी वीरों को समर्पित है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया.

किसको मिलता है परमवीर चक्र?

परमवीर चक्र भारत का सर्वोच्च सैन्य सम्मान है जो जान की बिना परवाह किए साहस, बलिदान के साथ दुश्मन को तहस नहस करने वाले सैनिकों को बहादुरी के लिए दिया जाता है. इसकी शुरुआत 1950 में हुई थी.परमवीर चक्र को भारत रत्न के बाद देश का सबसे सम्मानित पुरस्कार माना जाता है. अभी तक कुल 21 बार परमवीर चक्र दिया गया है, जिनमें 7 को जीवित रहते और 14 को मरणोपरांत मिला है.

इन्हें मिला है परमवीर चक्र

1. मेजर सोमनाथ शर्मा 2. लांस नायक करम सिंह 3.सेकेंड लेफ़्टीनेंट राम राघोबा राणे 4.नायक यदुनाथ सिंह 5.कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह 6. कैप्टन गुरबचन सिंह सलारिया 7. मेजर धनसिंह थापा 8. सूबेदार जोगिंदर सिंह 9. मेजर शैतान सिंह 10. कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार अब्दुल हमीद 11. लेफ्टिनेंट कर्नल आर्देशिर तारापोर 12. लांस नायक अलबर्ट एक्का 13. फ्लाईंग आफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों 14. लेफ्टिनेंट अरुण क्षेत्रपाल 15. मेजर होशियार सिंह 16. नायब सूबेदार बन्ना सिंह 17. मेजर रामास्वामी परमेश्वरन 18.

बगहा में पासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन कैम्प... आवे. दकों के लिए जारी की गई गाइडलाइन

एजेंसी

बिहार के बगहा में तीन दिवसीय पासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन कैम्प का आयोजन किया गया. क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, पटना की ओर से अनुमंडल कार्यालय परिसर, बगहा में यह आयोजन 22 से 24 अप्रैल तक आयोजित किया गया है. आयोजन का शुभारंभ स्वधा रिज़वी, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, पटना द्वारा बगहा पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया. पश्चिम चम्पारण में आवेदकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस कैंप का आयोजन किया गया है. बढ़ती जरूरत को देखते हुए बाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र में जल्द ही नया डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र खोलने का विचार किया गया.

बगहा में पासपोर्ट आवेदकों की संख्या बढ़ी

अप्रैल 2024 के बाद से कुल आठ कैंप आयोजित किए जा चुके हैं. बगहा में आयोजित यह कैंप नौवां कैंप है. सिवान, गोपालगंज एवं पूर्णिया के बाद सबसे ज्यादा आवेदन प्राप्त होने वाला पुलिस जिला बगहा है. बगहा में पासपोर्ट आवेदक. ों की संख्या को देखते हुए जल्द ही डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र खोलना प्रस्तावित है. इस कैम्प में नये एवं पुनर्निगमन पासपोर्ट आवेदन स्वीकार किए जाएंगे. इस कैम्प के लिए प्रतिदिन 55 अप्वाइंटमेंट स्लॉट जारी किए जाएंगे. ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन तथा अधिक जानक. ारी के लिए वेबसाइट www-passportindia-gov-in पर जाया जा सकता है.

आवेदक अप्वाइंटमेंट लेकर ही आएं

आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन भरकर निर्धारित शुल्क जमाकर पासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन कैंप, बगहा के लिए अप्वाइंटमेंट लेना होगा और नियत दिन, समय एवं स्थान पर आवश्यक कागजात की मूलप्रति एवं इन सभी की छायाप्रति लेकर फोटो के साथ उपस्थित होना होगा ताकि उंगलियों के निशान, आवेदन और मूल प्रमाणपत्रों की जांच की जा सके.

आवेदक जरूरी कागजात संबंधी जानक. ारी के लिए ऊपर दिये गये वेबसाइट लिंक का अवलोकन कर सकते हैं. इस कैम्प में पीसीसी हेतु आवेदन, किसी कारण अथवा प्रमाणपत्र हेतु रोके गए आवेदन एवं बिना पूर्व में ऑनलाइन समय लिए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे.

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, पटना आगे भी ऐसी ही सेवा प्रदान करते रहने के लिए संकल्पित है.

5 साल बाद फिर शुरू हो रही कैलाश मानसरोवर यात्रा, क्यों हुई थी बंद? जानें पूरा रूट और महत्व

एजेंसी

पांच साल के लंबे इंतजार के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा एक बार फिर शुरू होने जा रही है. 30 जून 2025 से यह पवित्र यात्रा शुरू होगी, जो उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे के रास्ते चीन के तिब्बत क्षेत्र में स्थित कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक जाएगी. यात्रा को लेकर सोमवार को दिल्ली में एक अहम बैठक हुई, जिसमें यात्रा की सभी तैयारियों की समीक्षा की गई.

कैलाश मानसरोवर यात्रा हर साल आयोजित की जाती है, लेकिन 2020 में कोविड–19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था. उसके बाद भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुए तनाव और सीमा विवाद के चलते यात्रा दोबारा शुरू नहीं हो सकी, लेकिन अब भारत सरकार के प्रयासों से, इस साल यात्रा संभव हो पाई है.

भारत–चीन रिश्तों में नरमी का संकेत

कैलाश और मानसरोवर झील चीन के तिब्बत क्षेत्र में आते हैं.

नीतीश-चिराग-बीजेपी... एनडीए के त्रिदेव क्यों दिला रहे बार-बार एक दूसरे को भरोसा

एजेंसी

नई दिल्ली : बिहार विधानसभा चुनाव की बिसात बिछाई जाने लगी है. पीएम मोदी विकास की सौगात देकर मिथिलांचल के सियासी समीकरण साधते हुए नजर आए, तो सीएम नीतीश कुमार बीजेपी को भरोसा दिलाते नजर आए कि अब दोबारा एनडीए का साथ नहीं छोड़ेंगे. नीतीश ने यह बात पहली बार नहीं कही बल्कि जब भी पीएम मोदी आते हैं तो कहते हैं कि एनडीए का छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे. बीजेपी भी नीतीश के नेतृत्व में ही बिहार चुनाव लड़ने की बात कह रही है, तो एलजेपी के नेता चिराग पासवान भी उनको अपना नेता मान चुके हैं. एनडीए के तहत बिहार में जेडीयू, बीजेपी, चिराग की एलजेपी, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी शामिल है. 2025 का चुनाव सभी दलों ने मिलकर लड़ने की तैयारी की है. इसके बाद भी एनडीए के 'त्रिदेव' नीतीश, चिराग और बीजेपी एक–दूसरे के संग बने रहने भरोसा बार–बार दिला रहे हैं. बीजेपी और चिराग दोनों ही नीतीश कुमार के अगुवाई में ही चुनाव लड़ने की बात कह कर जेडीयू को यकीन दिला रहे हैं. ऐसे में सवाल ये उठता है कि तीनों ही दलएक–दूसरे को आश्वस्त करने और बार बार भरोसा दिलाने में जुटे हैं.

बिहार की सत्ता के धुरी नीतीश कुमार दो दशक से बने हुए हैं, जिसके चलते कई बार सियासी पाला बदल चुके हैं. नीतीश कब किस तरफ सियासी करवट बदल लें, उस पर कुछ कहा नहीं जा सकता है. बिहार में छह महीने के बाद विधानसभा चुनाव होने हैं. नीतीश दो बार बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़कर आरजेडी के अगुवाई वाले महागठबंधन के साथ हाथ मिला चुके हैं. आरजेडी की ओर से भी नीतीश कुमार को महागठबंधन में आने का खुलेआम ऑफर दिया जा रहा है. इसके चलते ही नीतीश कुमार के छवि पलटूराम नेता की बन गई है. इसीलिए बीजेपी को विश्वास दिलाने की जरूरत नीतीश कुमार को पड़ रही है. नीतीश कुमार बीजेपी को भरोसा देने में जुटे हैं कि वो किसी भी सूरत में एनडीए का साथ छोड़कर नहीं जाएंगे. एनडीए के साथ रहते हुए बिहार का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे.

संपादकीय

भारत की आर्थिक आत्मनिर्भरता

भारत का अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ रिश्ता हमेशा से ही असहज रहा है – सार्वजनिक रूप से विनम्रता, लेकिन निजी तौर पर संदेह और सतर्कता। जैसा कि आईएमएफ के भारत के बारे में नवीनतम आकलन प्रशंसा के साथ–साथ स्पष्ट नुस्खों के साथ परिचित मार्ग पर चल रहे हैं, यह सोचने का समय है कि यह असहजता क्यों बनी हुई है, और क्या बहुपक्षीय संस्था वास्तव में उस भारत को समझती है जिसकी वह अक्सर आलोचना करती है। कागज़ पर, प्डथ के हालिया अनुमान चापलूसी भरे हैंरू भारत दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, जिसमें मध्यम अवधि में मज़बूत विकास की उम्मीदें हैं। लेकिन थोड़ा आगे पढ़ें, और स्वर बदल जाता है। फंड भारत के राजकोषीय घाटे, उसके ऋण स्तरों और राजकोषीय समेकन की ष्धीमी गतिष पर चिंता व्यक्त करता है। यह सामाजिक व्यय और सब्सिडी के विस्तार के खिलाफ़ चेता.वनी देता है, और सख्त मौद्रिक नीति का आग्रह करता है। ये कोई चौंकाने वाली बात नहीं है ़ लेकिन ये संदर्भ–संवे.दनशील भी नहीं हैं। भारत की सरकार ने हाल के वर्षों में विकास को प्रोत्साहित करने और संकटों के दौरान अपनी विशाल आबादी का समर्थन करने के बीच एक पतली रस्सी पर चलना शुरू कर दिया है ़ महामारी, मुद्रास्फीति के झटके और वैश्विक अस्थिरता। बढ़े हुए पूंजीगत खर्च, कल्याणकारी योजनाओं और लक्षित सब्सिडी ने लाखों कमजोर नागरिक.ों को सहारा देने में मदद की है। इन उपायों की प्डथ द्वारा राजकोषीय रूप से ढीलेपन के रूप में आलोचना इस तथ्य को नजरअंदाज करती है कि इस तरह के हस्तक्षेप लोकलुभावन भोग नहीं हैं, बल्कि एक ऐसे देश में राजनी.तिक और नैतिक आवश्यकताएं हैं जो अभी भी विकास घाटे से जूझ रहा है। फिर भी, व्यापक प्रश्न बना हुआ है ़ किसके मेट्रिक्स अधिक मायने रखते हैं? वैश्विक वित्तीय टेम्पलेट या घरेलू राजनीतिक अनिवार्यताएँ? भारत के विकल्पों में उसके अपने विकासात्मक तर्क को प्रतिबिंबित करना चाहिए, न कि केवल बाहरी अनुमोदन को। इसके अलावा, फंड का राज.कोषीय समेकन पर जोर, हालांकि पाठ्यपुस्तक अर्थशास्त्र है, एक ऐसी दुनिया में बेतुका लगता है जहां विकसित देशों ने भी ठहराव और असमानता से निपटने के लिए सार्वजनिक खर्च बढ़ाया है। भारत की अर्थव्यवस्था पहले कभी नहीं देखी गई गति से औपचारिक हो रही है, डिजिटल बुनियादी ढांचा समावेशन को गहरा कर रहा है, और सरकार के निवेश लंबे समय से लंबित भौतिक संपत्तियों का निर्माण कर रहे हैं। क्या भारत को अचानक अपने सार्वजनिक खर्च पर ब्रेक लगा देना चाहिए, ताकि वह राजकोषीय शुद्धता का अनुपालन कर सके जिसे पश्चिम ने भी त्याग दिया है? दूसरा टकराव बिंदु प्डथ की नीतिगत रूढ़िवादिता के प्रति जुनून है। यह भारत को ऐसे नज़रिए से देखता है जो अक्सर पुराना लगता है ़ जो वास्तविक दुनिया के समझौतों की तुलना में पाठ्यपुस्तक समाधानों को प्राथमिकता देता है। इसका निहितार्थ स्पष्ट हैरू बाज़ारों पर ज़्यादा भरोसा करें, राज्य पर कम। लेकिन भारत की हालिया सफलता की कहानी हाइब्रिड मॉडल पर आधारित है ़ जहाँ संभव हो वहाँ निजी पूंजी का लाभ उठाना लेकिन जहाँ आवश्यक हो वहाँ राज्य पर निर्भर रहना। यह व्यावहा.रिक दृष्टिकोण फंड की विचारधारा के साथ आसानी से नहीं बैठता। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत आलोचना से परे है। संरचनात्मक सुधार, खास तौर पर भूमि, श्रम और न्यायिक प्रक्रियाओं में, धीमे बने हुए हैं। लेकिन आलोचना सूक्ष्म होनी चाहिए, संस्थागत ढाँचों के बजाय जीवित वास्तविकताओं में निहित होनी चाहिए। भारत अब 1991 की डरपोक अर्थव्यवस्था नहीं है जो बचाव की तलाश में है। यह अब एक आत्मविश्वासी, जटिल अर्थव्यवस्था है जो अपना रास्ता खुद बना रही है। अगर आईएमएफ भारत की उभरती आर्थिक यात्रा में एक विश्वसनीय आवाज़ बने रहना चाहता है, तो उसे अपने लहजे और अपने टूलकिट को अपडेट करना चाहिए।

एआई क्षमता

तकनीक-प्रेमी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया के सामने एक नई चुनौती है कि भारतीय जीवन के सभी पहलुओं में परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के लिए जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की विशाल शक्ति का उपयोग करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी कैसे बनाई जाए। _

ukjk; .k c=k

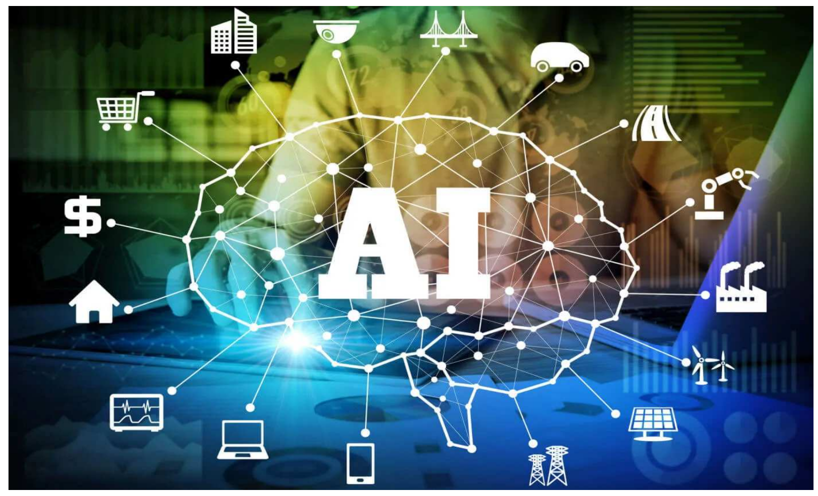

तकनीक–प्रेमी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया के सामने एक नई चुनौती है कि भारतीय जीवन के सभी पहलुओं में परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के लिए जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की विशाल शक्ति का उपयोग करने के लिए सार्वजनिक–निजी भागीदारी कैसे बनाई जाए।

भारत सरकार ने एआई को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक तकनीक के रूप में पहचाना है और एआई अपनाने को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय एआई रणनीति के साथ–साथ अन्य पहल भी शुरू की है। भारत में जिन क्षेत्रों में एआई का अनुप्रयोग हो रहा है उनमें स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शिक्षा, स्मार्ट शहर, वित्तीय सेवाएं, रक्षा, परिवहन और ऊर्जा शामिल हैं। बड़ी तकनीकी कंपनियां, स्टार्टअप, सरकारी संगठन और उद्योग एआई को अपनाने वाले उल्लेखनीय खिलाड़ी हैं।

एआई प्रतिभा की कमी एक बड़ी चुनौती है। भारत सरकार ने अधिक छात्रों और श्रमिकों को एआई कौशल में प्रशिक्षित करने के लिए युवा (युवाओं के लिए जिम्मेदार एआई) जैसे कार्यक्रम शुरू किए हैं। भारतीय तकनीकी विश्वविद्यालय और कंपनियां भी अपने एआई कार्यक्रमों और प्रमाणपत्रों का विस्तार कर रही हैं।

अनुसंधान आउटपुट और बड़े डेटासेट की उपलब्धता में भारत को अमेरिका और चीन जैसे अग्रणी एआई देशों के बराबर पहुंचने में कुछ समय लगेगा। लेकिन सरकार और निजी क्षेत्र सभी क्षेत्रों में डेटासेट उपलब्धता को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं। वैश्विक समकक्षों की तुलना में एआई अनुप्रयोगों को अपनाना और वृद्धि अभी भी अपेक्षाकृत कम है, लेकिन प्रमुख उद्योगों में तेजी से बढ़ रही है।

महत्वपूर्ण समस्याएं हैं बुनियादी ढांचे की कमी, प्रतिभा की कमी, परिवर्तन के लिए खुली व्यावसायिक संस्कृति और ग्राहक विश्वास, ऐसी समस्याएं जो भारत के लिए अनोखी नहीं हैं। बहरहाल, भारत में एआई अपार संभावनाओं वाला एक उभरता हुआ परिदृश्य है। यह क्षेत्र विकास और उत्साह में वृद्धि का अनुभव कर रहा है, इसकी वर्तमान स्थिति में कई कारकों का योगदान है। वर्तमान में बेंगलुरु भारत में सबसे अधिक संख्या में जेनएआई स्टार्टअप का घर है।

ईवाई की एक रिपोर्ट का अनुमान है कि जेनएआई 2030 तक भारत की जीडीपी को 359–438 बिलियन डॉलर तक बढ़ा सकता है, जो 5.9–7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और सात वर्षों में संचयी रूप से 1.2–1.5 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने की क्षमता है। व्यावसायिक सेवाएँ, वित्त, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे क्षेत्र महत्वपूर्ण प्रभाव के लिए तैयार हैं। नैसकॉम के अनुसार, ”मई 2023 तक, भारतीय जेनरेटिव एआई परिदृश्य में 60 से अधिक स्टार्ट–अप थे जो विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में फैले अपने ग्राहकों को समाधान और सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित थे।

इस क्षेत्र में 590 मिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग पहले ही आ चुकी है, 2022 सबसे भारी फंडिंग प्रवाह वाला वर्ष है। भारतीय उद्यम जेनएआई की क्षमता के बारे में आशावादी हैं, लेकिन बेहतर तैयारी की आवश्यकता को स्वीकार करते हैं, टॉम गुडमैन द्वारा शडिजिटल डार्विनवादश कहे जाने वाले युग में जीवित रहने के लिए एक डिजिटल परिवर्तन यात्रा की आवश्यकता है, जो व्यवसायों पर विघटनकारी डिजिटल प्रौद्योगिकियों का प्रभाव है।

प्रत्येक नई तकनीक, जैसे ही विभिन्न उद्योगों में उपयोग की जाने लगती है, बलों की परस्पर क्रिया के कारण कुछ बदलाव लाती है, लेकिन जेनएआई का प्रभाव अधिक क्रांतिकारी होगा। समय के साथ, यह हर उद्योग, कार्यस्थल और कार्यबल को फिर से परिभाषित और नया आकार देगा। सर्विसनाउ के अनुमान के अनुसार, 2027 तक, एआई भारत में 16 मिलियन से अधिक पूर्णकालिक कर्मचारियों को प्रभावित करेगा, जिन्हें विशेष रूप से विनिर्माण, कृषि, वानिकी और मछली पकड़ने के उद्योगों में स्वचालन के कारण पुनरू कौशल और अप–स्किलिंग की आवश्यकता होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, जैसे–जैसे एआई पुरानी नौकरियों को फिर से परिभाषित करता है, यह विनिर्माण, खुदरा, शिक्षा और वित्त और बीमा में 4.7 मिलियन प्रौद्योगिकी से संबंधित नौकरियों के नए अवसर भी पैदा करेगा।

फिक्की की रिपोर्ट ष्जेनरेटिव एआई का आर्थिक प्रभावरू भारत में काम का भविष्यष का अनुमान है कि जेनएआई भारत के लिए 621 बिलियन डॉलर की उत्पादक क्षमता खोल सकता है, जो 2021 में देश की जीडीपी के लगभग पांचवें हिस्से के बराबर है। यह एआई के लिए एक महत्वपूर्ण क्षमता का संकेत देता है। भारत में आर्थिक विकास और उन्नति को बढ़ावा देना। 2011 के बाद से एआई निवेश में लगातार वृद्धि, एआई स्टार्टअप्स की उल्लेखनीय वृद्धि, और सर्वेक्षण में शामिल 88 प्रतिशत कंपनियों की एआई–संबंधित प्रौद्योगिकियों में निवेश करने की मंशा इस क्षमता को और अधिक रेखांकित करती है। 2018 में एआई के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की स्थापना और 2023 के वित्त बजट में एआई में तीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की घोषणा, जिम्मेदार एआई अपनाने और समावेशी एआई–सक्षम आर्थिक विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

इन पहलों, मेक एआई फॉर इंडिया और मेक एआई वर्क फॉर इंडिया का उद्देश्य कृषि, स्वास्थ्य और टिकाऊ शहरों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में व्यावहारिक एआई अनुप्रयोगों के अनुसंधान और विकास के लिए शैक्षणिक संस्थानों और अग्रणी उद्योगों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है।

ओईसीडी एआई में जिबू एलियास लिखते हैं, भारत की डेटा, रचनात्मकता और भाषा विविधता की संपदा इसे विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए जेनएआई का उपयोग करने के लिए प्रमुख क्षेत्र बनाती है।

कृषि के लिए किसानजीपीटी, बीमा के लिए पॉलिसीजीपीटी, सांस्कृतिक जुड़ाव के लिए गीताजीपीटी और भाषा समर्थन के लिए भारतजीपीटी जैसे उदाहरण दिखाते हैं कि कैसे जेनएआई विशिष्ट चुनौतियों को संभाल सकता है, प्रक्रियाओं को अनुक.ूलित कर सकता है और बड़े पैमाने पर भारतीय समुदायों को सशक्त बना सकता है। भारत की आवश्यकताओं के अनुरूप इन एआई उपकरणों को व्यापक रूप से अपनाने से जमीनी स्तर से लेकर नवाच.ार, उन्नति और समावेशी विकास की अपार संभावनाएं हैं।

राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन का लक्ष्य भारत को एआई विकास और अपनाने में अग्रणी बनाना है। भारतीय भाषाओं के लिए स्वदेशी प्रशिक्षण डेटासेट में एआई विकास और निवेश का समर्थन करने के लिए सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है। नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियामक ढांचे को सक्रिय होने की आवश्यकता है।

डेटा गोपनीयता और नैतिक विचार महत्वपूर्ण बने हुए हैं।

निरंतर विकास के लिए प्रतिभा पूल और कौशल विकास आवश्यक है। व्यापक रूप से अपनाने के लिए जेनएआई समाधानों की पहुंच और सामर्थ्य आवश्यक है।

कुल मिलाकर, भारत में जेनएआई एक तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र है जिसमें विभिन्न उद्योगों में क्रांति लाने, नई नौकरियां पैदा करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं।

भारत के लिए इस परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी की शक्ति का पूरी तरह से दोहन करने के लिए चुनौतियों से निपटना और अवसरों का लाभ उठाना महत्वपूर्ण होगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि दुनिया के सबसे बड़े स्टार्ट–अप इकोसिस्टम में से एक होने के बावजूद, भारत को तेजी से आगे बढ़ते एआई क्षेत्र में अभी तक कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। ओपनएआई के जीपीटी–4, गूगल के बार्ड और अन्य जैसे बड़े भाषा मॉडल टाइटन्स के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए कोई भी घरेलू भारतीय दावेदार सामने नहीं आया है।

जम्मू लद्दाख विज़न
सोमवार, जम्मू, 28 अप्रैल, 2025
www.jammuladakhvision.com

'वक्फ के बहाने मुस्लिम वोटों की खेती कर रहीं ममता', बीजेपी सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल का बड़ा हमला

एजेंसी

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में विरोध हो नहीं रहा है, कराया जा रहा है. ममता सरकार का शासन कागज पर चल रहा है. उनके हाथ में 30 परसेंट मुसलमान के सिवा वोट नहीं बचा है. बीजेपी नेता ने तृणमूल कांग्रेस को मुस्लिम गुंडो से भरी पार्टी बताया है.

राज्यसभा सांसद राधा मोहन दास गोरखपुर के इंजीनियरिंग कॉलेज स्थित बीजेपी कार्यालय पर वक्फ अधिनियम बिल को लेकर बैठक करने पहुंचे थे. इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने वक्फ पर सच्चर कमेटी की रिपोर्ट का हवाला देते कांग्रेस पर भी निशाना साधा. साथ ही कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम में किए गए प्रावधान हर गरीब मुसलमान के हित में है. वक्फ की संपत्तियों का इस्तेमाल सही से होता तो एक भी मुसलमान गरीब नहीं रहता.

'मुस्लिम वोटों की खेती कर रहीं ममता'

बीजेपी नेता राधा मोहन दास अग्रवाल ने पश्चिम बंगाल मे वक्फ को लेकर हो रही हिंसा पर ममता सरकार को जमकर कोसा. उन्होंने कहा कि टीएमसी मुस्लिम गुंडो से भरी हुई पार्टी है. टीएमसी मुस्लिम गुंडों की पार्टी है. मुस्लिम गुंडे घूम-घूम कर चारों ओर गुंडई कर रहे हैं. पश्चिम बंगाल मे हिंदुओं के साथ अन्याय कर रहे हैं. बीजे.पी सांसद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वक्फ अधिनियम के बहाने मुस्लिम वोटों की खेती कर रही है.

'मुत्वल्ली वक्फ के मालिक बन चुके हैं'

डॉक्टर राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि वक्फ पर सच्चर कमेटी की रिपोर्ट आई. रिपोर्ट में लिखा गया देश में 450000 वक्फ कि संपत्तियां हैं, जो 6 लाख एकड़ जमीन है. इससे 12000 हजार करोड़ आमदनी होनी चाहिए लेकिन केवल 163 करोड़ आय होती है. प्रश्न खड़ा हुआ की 12000 करोड़ की बजाय 163 करोड़ क्यों है बाकी पैसा कहां जाता है? उन्होंने कहा, ' जो मुत्वल्ली हैं, जो वक्फ के मैनेजर होते हैं, वह मालिक बन चुके हैं. उन्होंने वक्फ की संपत्तियों को अपने परिवार के नाम चढ़ा लिया.'

उन्होंने कहा किसच्चर कमेटी ने सरकार को सलाह दी कि, वक्त की संपत्तियों से अतिक्रमण हटाया जाए और देश के स्तर पर कॉर्पोरेशन का निर्माण किया जाए. इन वक्फ की संपत्तियों का आधुनिक तरीके से विकास कराया जाए. जो 163 करोड़ की आय हो रही है वह 12000 हजार करोड़ की हो सकती है. उससे गरीब मुसलमान, विधवा महिलाओं, अनाथ बच्चों के लिए के लिए बेहत व्यवस्था किया जाए.

'कांग्रेस की सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं किया'

बीजेपी सांसद ने कहा कि कांग्रेस की सरकार 2014 तक रही लेकिन इसको लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई. वक्त की संपत्तियां साल 2025 में 450000 से बढ़कर 872000 हो गई, जिसका संभावित आय 1 लाख करोड़ होनी चाहिए थी. लेकिन वक्त की संपत्तियों का 99.99 परसेंट लूट लिया जाता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों के बेहतरीन के लिए अच्छे काम किया. मनमो.हन सिंह की तरह कहकर नहीं की हर संसाधनों को पहला अधिकार मुस्लिम का होगा, बल्कि यह कहकर कि हर संसाधनों का पहला अधिकार गरीबों का होगा.

कोर्ट ने मेधा पाटकर की सजा पर लगाई रोक, गिरफ्तारी के कुछ घंटों के बाद हुई रिहा

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को सामा.जिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को मानहानि के मामले में गिरफ्तार किए जाने के कुछ ही घंटों बाद रिहा करने का आदेश दिया. शाम साढ़े बजे उन्हें रिहा कर दिया गया. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विपिन खरब ने उनके वकील द्वारा यह प्रस्तुत किए जाने के बाद उन्हें रिहा करने का निर्देश दिया कि वे आदेश का पालन करेंगी और बांड भरेंगी. दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा उनके खिलाफ दायर 24 साल पुराने मानहानि के मामले में प्रोब.शन बांड भरने और 1 लाख रुपए का जुर्माना भरने के अदालती आदेश का पालन न करने पर पाटकर को हिरासत में लिया गया था. गौरतलब है कि विनय कुमार सक्सेना वर्तमान में दिल्ली के उपराज्यपाल हैं. न्यायमूर्ति शालिंदर कौर ने यह आदेश दोपहर बाद के सत्र में सुनाया, जब पाटकर ने अत्यावश्यक याचिका दायर की. पाटकर ने शुक्रवार सुबह ही अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ याचिका वापस ले ली थी.

मेधा पाटकर को रिहा करने का कोर्ट ने दिया आदेश

मेधा पाटकर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय पारिख पेश हुए, जबकि सक्सेना की ओर से वकील गजिंदर कुमार और किरण जय ने पक्ष रखा. इस महीने की शुरुआत में, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशाल सिंह ने 70 वर्षीय कार्यकर्ता को दोषी ठहराया था और अच्छे आचरण की शर्त पर उन्हें प्रोबेशन दिया था, साथ ही 1 लाख का जुर्माना भी लगाया था. हालांकि, 23 अप्रैल को सुनवाई में उनकी अनुपस्थिति और अदालत के निर्देशों का पालन न करने के कारण उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था.

मेधा पाटकर के खिलाफ मामला क्या है?

मानहानि का यह मामला वर्ष 2000 का है और कथित तौर पर मेधा पाटकर द्वारा की गई टिप्पणियों के बाद दायर की गई थी, जिसमें उन्होंने विनय कुमार सक्सेना को कायर कहा था और उन पर हवाला लेनदेन में शामिल होने और गुजरात के लोगों के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया था. मई 2024 में, एक मजिस्ट्रेट ने माना कि उनकी टिप्पणी मानहानिकारक थी और इसका उद्देश्य सक्सेना की सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाना था. नर्मदा बचाओ आंदोलन (एनबीए) का नेतृत्व करने वाली सामा.जिक कार्यकर्ता पाटकर ने लंबे समय से सरदार सरोवर बांध जैसी बड़े पैमाने की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का विरोध किया है, उनका तर्क है कि इससे आदिवासी समुदायों का विस्थापन होता है और जंगल और कृषि भूमि का विनाश होता है.

सिंह भाई हटे तो सिंह भाई ही आए... थानों में पोस्टिंग को लेकर फिर योगी सरकार पर बरसे अखिलेश यादव, जारी की लिस्ट

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर च्क्। के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है. उन्होंने यूपी पुलिस में जातिगत आधार पर तैनाती और सरकारी वेबसाइट से डेटा हटाने के आरोप भी लगाए हैं. अखिलेश यादव ने दावा किया कि पीडीए सरकार बनने पर रोजगार मिलेगा.

एजेंसी

समाजवादी पार्टी के मुखिया और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को योगी सरकार पर हमला बोला है. उन्होंने सूबे के पुलिस थानों में पोस्टिंग का मुद्दा उठाया है और एकबार फिर आरोप लगाया है कि इनमें उच्च जातियों के लोगों की पोस्टिंग की जा रही है. साथ ही साथ दावा किया कि पीडीए के साथ अत्याचार किया जा रहा है. इसके अलावा उन्होंने सरकार की वेबसाइट का एक स्क्रीनशॉट भी जारी किया, जिसमें थानों में जातिगत आधार पर थानेदारों की लिस्ट भी जारी की. अखिलेश यादव ने कहा कि अधिकारियों को आगे करके कहा जा रहा है कि गलत आंकड़े पेश किए. हमने गलती सुधारने मौका दिया तो सरकार ने अधिकारियों को आगे कर दिया. मैंने अभी 2-4 जिलों का पुलिस पर खुलासा किया, सिंह भाई हटे हैं, तो सिंह भाई ही आए हैं. जब मैंने थानों पर सवाल उठाया तो मुझे नसीहत दे रहे हैं, गलती नहीं सुधार रहे हैं. सरकार डाटा क्यों नहीं दे रही है, मुझ पर गलत आंकड़ा देने का आरोप लगा रहे हैं. सरकार जवाब नहीं दे रही है, अधिकारियों को आगे किया जा रहा है. सरकार वेबसाइट से डेटा हटा रही है. हमने जो डेटा दिया है वो सरकार की वेबसाइट से लिया है.

सरकार डेटा से कर रही है छेड़छाड़

उन्होंने कहा कि सरकार डेटा को मैनुपुलेट कर रही है. नॉन फिल्ड थानों को एड करके डेटा जारी कर रही है. चित्रकूट में सभी बड़े पदों पर एक ही जाति के लोग भरे पड़े है. दलित समाज पर अत्याचार किया जा रहा है. मेरे पीडीए डाटा का खंडन करने आ गए, लेकिन सदन में जो उन्होंने कहा उसका खंडन करने नहीं आए. चित्रकूट में सपा डीएम, सीडीओ, सीएमओ, खनिज, पर्यटन, थानाध्यक्ष, कई बीडीओ में से कितने पीडीए के हैं? सरकार मैनिपुलेशन कर रही है. अखिलेश यादव ने कहा कि ये (सरकार) नहीं चाहते हैं कि बच्चों का भविष्य बने, हमें बाबा साहेब आंबेडर का संविधान, आरक्षण बचाना है. हमने पीडीए के प्रति नफरत को उजागर किया है और विपक्ष होने का कर्तव्य निभाया है. इस सरकार में पीडीए के साथ जो अन्याय हुआ उसे खत्म करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं.

वक्फ पर क्या बोले अखिलेश यादव?

सपा प्रमुख ने कहा कि आंबेडकर की प्रतिमा तोड़ी जा रही है. कई जगह ऐसा हुआ है. दिक्कत है कि प्रभुत्ववादी लोग स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं. वहीं, वक्फ अधिनियम पर कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट से हमारी अपील होगी. हम बिल के खिलाफ हैं. सुप्रीम कोर्ट में लोग गए हैं. अब सरकार गांव-गांव समझाने निकली है , कानून बनाने से पहले लोगों से बात करनी चाहिए थी.

केवल पैसे कमाने वाले डॉक्टर न बनें... गुरू गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम में बोले होसबाले, सीएम योगी भी पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएमएस गोमतीनगर विस्तार में 'गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 5.0' के कार्यकर्ता सम्मान समारोह को संबोधित किया.

उन्होंने समारोह के मुख्य अतिथि आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसवाले के साथ भगवान धनवंतरी, भारत माता, गुरु गोरखनाथ और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.

इस अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कई विभूतियों को सम्मानित किया गया. इसी कड़ी में स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पीओसीटी ग्रुप के चेयरमैन सौरभ गर्ग भी सम्मानित हुए. पीओसीटी ग्रुप उत्तर प्रदेश की डायग्नोस्टिक्स सेक्टर और स्वास्थ्य के सेक्टर में अभूतपूर्व काम करती है, जिससे आम जनमानस तक स्वास्थ्य की मुलभूत सुविधाएं मिल पाए.

केवल पैसे कमाने वाले चिकित्सक न बनें- होसबाले

इस मौके पर आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि हम हिंदू राष्ट्र नहीं बना रहे, वह तो पहले से है.

हमारी कोशिश आचरण, स्वभाव, विचार, संस्कार से हिंदू बनाने की है. संघ के लोग आपदा के वक्त सबसे आगे रहते हैं. केवल पैसे कमाने वाले चिकित्सक न बनें.

रेलवे बुधवार को रात 9 : 20 बजे जम्मू के कटरा से नई दिल्ली के लिए विशेष ट्रेन चलाएगा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : रेलवे बुधवार को रात 9 : 20 बजे कटरा से नई दिल्ली के लिए एक विशेष अनारक्षित ट्रेन चलाएगा, जो उन लोगों के लिए होगी जो जम्मू और कश्मीर की अपनी यात्रा को छोटा करना चाहते हैं और अपने–अपने गंतव्य पर लौटना चाहते हैं, एक अधिकारी ने कहा।

रिपोर्टों से पता चला है कि जम्मू के विभिन्न स्थानों पर कई पर्यटक पहलगाम में आतंकवादी हमले के मद्देनजर अपने संबंधित शहरों को लौटना चाहते थे।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने कहा, "अत्यावश्यकता को देखते हुए, हमने तुरंत सभी श्रेणियों के यात्रियों के लिए अपने गृह शहरों में लौटने के लिए एक विशेष ट्रेन की व्यवस्था की है। ट्रेन, श्री वैष्णो देवी कटरा से रात 9 : 20 बजे खुलने के बाद, गुरुवार को सुबह 9 : 30 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर समाप्त होने से पहले उधमपुर, जम्मू, पठानकोट, जालंधर, अंबाला, कुरुक्षेत्र और पानीपत जैसे रास्ते में कई अन्य स्टेशनों पर रुकेगी। उन्होंने कहा, यदि यात्रियों की संख्या इस ट्रेन की क्षमता से अधिक हो जाती है, तो हमारे पास जल्द से जल्द ऐसी और विशेष ट्रेनें चलाने की बैकअप योजना है।

पहलगाम हमले के बाद कश्मीर से पर्यटकों का पलायन, सीएम ने कहा- मेहमानों का पलायन दिल दहला देने वाला

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : पहलगाम में मंगलवार को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद हजारों पर्यटकों ने कश्मीर छोड़ना शुरू कर दिया है, अधिकारी पर्यटकों को उनके गृह राज्यों में सुरक्षित वापस भेजने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पर्यटकों का पलायन देखना "दिल दहला देने वाला" है।

"कल पहलगाम में हुए दुखद आतंकी हमले के बाद हमारे मेहमानों का घाटी से पलायन देखना दिल दहला देने वाला है, लेकिन साथ ही हम पूरी तरह से समझते हैं कि लोग क्यों जाना चाहते हैं। डीजीसीए और नागरिक उड्डयन मंत्रालय अतिरिक्त उड़ानों का प्रबंध करने के लिए काम कर रहे हैं, श्रीनगर और जम्मू के बीच एनएच–44 को एक ही दिशा में यातायात के लिए फिर से जोड़ दिया गया है," अब्दुल्ला ने एक्स पर पोस्ट किया।

"मैंने प्रशासन को निर्देश दिया है कि वह श्रीनगर और जम्मू के बीच यातायात को सुगम बनाए और पर्यटकों के वाहनों को जाने दे। यह नियंत्रित और संगठित तरीके से करना होगा क्योंकि सड़कें अभी भी कुछ स्थानों पर अस्थिर हैं और हम सभी फंसे हुए वाहनों को निकालने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम इस समय वाहना. ` की पूरी तरह से मुक्त आवाजाही की अनुमति नहीं दे पाएंगे और हमें उम्मीद है कि हर कोई हमारे साथ सहयोग करेगा," उन्होंने कहा। पर्यटन व्यापार से जुड़े लोगों ने बताया कि अनंतनाग जिले के पहलगाम रिसॉर्ट के बैसरन मैदान में आतंकवादियों द्वारा 26 पर्यटकों की हत्या के एक दिन बाद अधिकतर पर्यटक डर के कारण घाटी छोड़ रहे हैं। श्रीनगर के एक ट्रैवल ऑपरेटर ऐजाज अली ने कहा,

"हम जानते हैं कि कश्मीर में पर्यटक काफी हद तक सुरक्षित हैं, लेकिन यहां ऐसी घटना होने के बाद, उनसे यहीं रहने की उम्मीद नहीं की जा सकती। रद्दीकरण बहुत अधिक है, करीब 80 प्रतिशत।

उन्होंने कहा कि अगले एक महीने के लिए भी पैकेज रद्द किए जा रहे हैं।

अली ने कहा, "पिछले कई सालों में किए गए सभी अच्छे काम बेकार हो गए हैं। पर्यटकों को फिर से कश्मीर लाने के लिए काफी समझाने की जरूरत होगी।"

जबकि ज्यादातर पर्यटक डरे हुए हैं, कुछ यहीं रह रहे हैं।

महाराष्ट्र की एक महिला पर्यटक ने कहा, हम (होटल के कमरों से) बाहर आ गए हैं और हमें कोई डर नहीं लग रहा है। हर जगह सुरक्षा है।

सीईओ ने मतदाता सूचियों की समीक्षा के लिए जनता को आमंत्रित किया : एसएसआर की अंतिम तिथि 24 अप्रैल

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : 27 बडगाम और 77 नगरोटा विधानसभा क्षेत्रों में 8 अप्रैल, 2025 को शुरू हुआ विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) 24 अप्रैल, 2025 को समाप्त होने जा रहा है।

स्थापित चुनावी प्रक्रिया के अनुसार, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) ने दावों और आपत्तियों की सूची सावधानीपूर्वक तैयार की है, जो अब सार्वजनिक जांच के लिए उपलब्ध हैं। फॉर्म 9, 10, 11, 11ए और 11बी में तैयार की गई ये सूचियां मतदाता सूची में प्रविष्टियों को शामिल करने, हटाने, सुधार और स्थानांतरण के लिए प्राप्त आवेदना. ` का विवरण देती हैं। पारदर्शिता सुनिश्चित करने और जनता की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए, इन सूचियों को संबंधित ईआरओ कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा, सूचियाँ मुख्य चुनाव अधिकारी, जम्मू और कश्मीर की आधिकारिक वेबसाइट www-ceo&jk@nic-in के माध्यम से ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 27 बडगाम और 77 नगरोटा के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे प्रदर्शित सूचियों को ध्यान से देखें ताकि मतदाता सूचियों की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित हो सके।

जो नागरिक मतदाता सूची प्रविष्टि पर आपत्ति करना चाहते हैं या दावा प्रस्तुत करना चाहते हैं, वे विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 27 बडगाम या 77 नगरोटा के संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) से संपर्क करके ऐसा कर सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस प्रक्रिया में सक्रिय नागरिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया है, क्योंकि यह चुनावी प्रणाली की अखंडता को बनाए रखने की दिशा में मौलिक है।

बच्चे सीमा पार, खुद भारत में फंसे... अटारी बॉर्डर बंद होने से मुस्लिम महिलाएं परेशान, किया हंगामा

एजेंसी

नई दिल्ली : पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है. इसका खामियाजा आम लोगों को भी भुगतना पड़ रहा है. हमले के तुरंत बाद भारत ने कई कड़े फैसले लिए, जिनमें देश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को 27 अप्रैल तक देश छोड़ने का आदेश देना भी शामिल है. अब इस फैसले के कारण पाकिस्तान में कई लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है और वे एक बार फिर अपनों से दूर जाने को मजबूर हो रहे हैं. अटारी बॉर्डर पर उस समय तनाव उत्पन्न हो गया जब पाकिस्तान में विवाहित भारतीय महिलाओं को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी गई. अधिकारियों के रवैये से नाराज महिलाओं ने हंगामा किया और बॉर्डर पर धरना शुरू कर दिया. दरअसल, ये महिलाएं भारतीय नागरिक हैं और उनके पास भारतीय पासपोर्ट हैं, जबकि उनके बच्चों के पास पाकिस्तानी पासपोर्ट हैं. सीमा पर अधिकारियों ने बच्चों को तो पाकिस्तान जाने की अनुम. ति दे दी, लेकिन इन महिलाओं को जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया.

नाराज महिलाओं ने बॉर्डर पर किया प्रदर्शन

इस फैसले से नाराज महिलाओं ने अटारी सीमा पर इमिग्रेशन चेक पोस्ट (आईसीपी) के बाहर नारेबाजी शुरू कर दी और प्रशासन के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया. उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों का रवैया अन्यायपूर्ण और असंवेदनशील है, जो मां और बच्चों को अलग करने जैसा अमानवीय कदम उठा रहे हैं.

सीमा पार करने की मांग पर अड़ी महिलाएं

विरोध प्रदर्शन के कारण सीमा पर कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया. हालांकि अधिकारियों ने स्थिति को संभालने और महिलाओं को मनाने की कोशिश की, लेकिन महिलाएं अपनी मांग पर अड़ी रहीं कि उन्हें भी अपने बच्चों के साथ सीमा पार करने की अनुमति दी जाए.

इस घटना ने एक बार फिर बॉर्डर पार वैवाहिक रिश्तों और उनसे जुड़ी कानूनी जटिलताओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं. वहीं विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं को सेना के अधिकारियों ने समझाने की कोशिश की.

संसद का बुलाया जाए विशेष सत्र.. कपिल सिब्बल ने की पीएम मोदी से मांग

एजेंसी

नई दिल्ली : राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाकर पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की. उन्होंने सत्र के दौरान एक प्रस्ताव पारित करने और दुनिया को एकजुट रहने का संदेश देने का आग्रह किया. उन्होंने सरकार को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडलों को अलग– अलग महत्वपूर्ण देशों में भेजने का भी सुझाव दिया, ताकि पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव बनाया जा सके.

पाकिस्तान के साथ व्यापार तो हमारे साथ व्यापार नहीं

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुझाव दिया कि अमेरिका की तरह भारत को भी पाकिस्तान के साथ व्यापार करने वाले सभी प्रमुख देशों को यह बताना चाहिए कि यदि वे पाकिस्तान के साथ व्यापार करते हैं तो हमारे साथ कारोबार न करें.

उन्होंने कहा कि 1972 में जुल्फिकार अली भुट्टो ने कहा था कि हम भारत को हजार घाव देकर खून से लथपथ कर देंगे.

सिब्बल ने कहा कि 2001 में संसद पर आतंकी हमला हुआ, 2002 में कालूचक नरसंहार हुआ. 2005 में भारतीय विज्ञान संस्थान पर हमला हुआ.

जुलाई 2006 में मुंबई में ट्रेन में बम विस्फोट हुआ. 2008 में मुंबई में हमला हुआ. 2016 में पठानकोट एयरबेस हमला हुआ. 2016 में उरी आतंकी हमला हुआ और 2019 में पुलवामा आत्मघाती बम विस्फोट हुआ. यह सिलसिला जारी है.

ये भारत की संप्रभुता पर हमला है

राज्यसभा के निर्दलीय सदस्य ने कहा कि मैं इस संदर्भ में प्रधानमंत्री को सुझाव देना चाहता हूं कि वह संसद का विशेष सत्र बुलाएं और इस पर चर्चा कराएं.

देश आपके साथ खड़ा है. विपक्ष आपके साथ है क्योंकि यह भारत की संप्रभुता पर हमला है.

सिब्बल ने कहा कि संसद द्वारा सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया जाना चाहिए ताकि दुनिया के सामने राष्ट्र की यह भावना व्यक्त की जा सके कि हर कोई सरकार के साथ खड़ा है, देश एकजुट है तथा इस तरह के कृत्यों को बर्दाश्त नहीं करेगा.

आदिल-अली और हाशिम... जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जारी किए पहलगाम हमले के आतंकियों के फोटो, 20 लाख का इनाम घोषित

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : जम्मू कश्मीर में अनंतनाग पुलिस ने पहलगाम हमले में शामिल होने वाले आतंकियों पर 20 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है. 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में पर्यटकों पर हमले में शामिल पाकिस्तानी नागरिकों और लश्कर–ए–तैयबा के आतंकवादियों आदिल हुसैन थोकर, अली भाई और हाशिम मूसा की गिरफ्तारी में सहायक सूचना देने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा. इस हमले में कुल 28 लोगों की मौत हो गई थी.

जम्मू–कश्मीर पुलिस ने कहा कि मुखबिर की पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी. इसके अलावा जम्मू–कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अनंतनाग पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) के संपर्क नंबर भी उपलब्ध कराए.

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कारयतापूर्ण आतंकी हमले के एक दिन बाद सीसीएस की बैठक हुई. बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल हुए. इसमें पांच बड़े फैसले लिए गए थे.

पीएम मोदी ने कहा देश की आत्मा पर हमले का दुस्साहस

पहलगाम हमले पर पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में जिस क्रूरता से आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों की हत्या की, उससे पूरा देश दुखी है. मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि इन आतंकवादियों और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से परे सजा मिलेगी. 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़ देगी.

पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने मासूम लोगों को जिस बेरहमी से मारा है पूरा देश व्यथित है. सभी पीड़ित परिवारों के दुख में पूरा देश साथ खड़ा है.

इस हमले में किसी ने अपना बेटा, भाई, पति मारा गया.

पीएम मोदी ने कहा कि देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है.

‘पालघर की घटना के चलते पहलगाम में आतंकी हमला’... युवक ने फेसबुक पर लिखी ऐसी पोस्ट, पुलिस कर रही तलाश

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : जम्मू –कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का बचाव करने वाले एक पोस्ट को रिपोस्ट करने वाले एक फेसबुक पेज के खिलाफ कर्नाटक के मंगलुरु के कोनाजे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. उल्लाल के सतीश कुमार की शिकायत के आधार पर आईपीसी की धारा 192 और 353(1)(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस फेसबुक पेज की डीपी में दिख रहे व्यक्ति की तलाश कर रही है.

निच्चू मैंगलोर नाम के एक फेसबुक पेज ने पोस्ट किया. 2023 में महाराष्ट्र के पालघर में तीन मुसलमानों की हत्या कर दी गई. आरोपी चेतन सिंह को सार्वजनिक रूप से फांसी नहीं दी गई.

पालघर की घटना के कारण आतंकवादियों ने कश्मीर में धर्म पूछकर उनकी हत्या कर दी. सोशल मीडिया पर लोगों ने इस पोस्ट पर नाराजगी जताई है.

फेसबुक पेज की डीपी में दिख रहा युवक कोनाजे थाना क्षेत्र का निवासी है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है.

आईएमसी नेता का विवादित बयान

इस्लामिक कट्टरपंथी आईएमसी नेता मोइन सिद्दीकी ने उत्तर प्रदेश के बरेली में हिंदुओं का सिर काटने की धमकी दी थी. मोइन सिद्दीकी उर्फ घ्छ्चोटी कटवा ने कहा था कि हमारी सरकार आई तो एक भी हिंदू घर नहीं बचेगा.

पाक का बचाव करने वाले असम विधायक अरेस्ट

असम पुलिस ने पहलगाम में आतंकवादी हमले के सिलसिले में पाकिस्तान का बचाव करने वाले एआईयूडीएफ विधायक अमीनल इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने अमीनल इस्लाम के खिलाफ ये कार्रवाई विवादित बयान देने और लोगों को भड़काने की है.

इससे पहले भी अमीनल इस्लाम विवादित बयान दे चुके हैं.

कांग्रेस विधायक ने मांगी माफी

श्रीरंगपट्टनम निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक रमेश बंदीसिद्धे गौड़ा ने विवादास्पद बयान दिया था कि पहलगाम हमला कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के कारण हुआ था. अब जब यह मामला विवादास्पद हो गया है, तो वे जाग गए हैं और माफी मांगी है.

डिव कॉम ने कश्मीर में पर्यटकों की सहायता और सुविधा के लिए समर्पित हेल्पलाइन स्थापित की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : कश्मीर घाटी में पर्यटकों की आवाजाही/ठहरने की सुविधा के लिए, संभागीय आयुक्त कश्मीर ने श्रीनगर में संभागीय स्तर पर एक समर्पित हेल्पलाइन की स्थापना की है, ताकि वर्तमान में कश्मीर घाटी में मौजूद या आने वाले दिनों में आने के इच्छुक पर्यटकों को सहायता और समर्थन प्रदान किया जा सके। डिवीजनल कमिश्नर कार्यालय के एक आदेश में कहा गया है कि किसी भी मदद/सहायता के मामले में, पर्यटक 24 • 7 हेल्पलाइन नंबर +911942–740003, 8899931010 और 8899941010 पर संपर्क कर सकते हैं। इसमें आगे लिखा है कि पर्यटकों से संबंधित सहायता/सुविधा प्रदान करने के लिए निम्नलिखित क्षेत्रवार संपर्क नंबर सार्वजनिक डोमेन में डाले गए हैंरू 1. श्री राहुल रैना – पर्यटक स्वागत केंद्र – श्रीनगर, पर्यटन निदेशालय – 9596311771 2. सुश्री मेहनाज़ खान – श्रीनगर, पर्यटन निदेशालय – 9622484772 3. श्री इरफान बिनी – 9419013335 4. श्री संदीप पंडिता – अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा श्रीनगर – 6005892772 5. श्री रफीक अहमद – 7006154329 सड़क की स्थिति – 7006580763 7. श्री शफाकत इटू दृ जिला बडगाम, दूधपथरी – 7006823575।

8. दक्षिण कश्मीररू अनंतनाग, कुलगाम, शोपियां और पुलवामा – 9906663868।

9. मध्य कश्मीररू श्रीनगर, बडगाम और गंदेरबल – 9906906115 विज्ञप्ति में आगे लिखा है कि हेल्पडेस्क पर्यटन निदेशक कश्मीर, राजा याकूब फारूक की समग्र देखरेख में काम करेगा।

2019 से 2024 तक भारतीय विरासत स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में 19 प्रतिशत की वृद्धि, टिकट राजस्व में 2.83 प्रतिशत की गिरावट : डेटा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : भारत के केंद्रीय रूप से संरक्षित टिकट वाले स्मारकों में 2023–24 में महामारी से पहले के स्तर की तुलना में 19 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि टिकट बिक्री से राजस्व में वृद्धि हुई है, जिसमें 2.83 प्रतिशत की गिरावट आई है, आधिकारिक डेटा से पता चलता है। राज्यसभा में प्रस्तुत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के 143 स्मारकों को कवर करने वाले डेटा का विश्लेषण इन प्रमुख विरासत स्थलों के लिए एक जटिल रिकवरी तस्वीर दिखाता है, जिसे पर्यटन मंत्रालय के श्भारत पर्यटन डेटा संग्रह 2024श में रिपोर्ट किए गए व्यापक राष्ट्रीय रुझानों के संदर्भ में बताया गया है। डेटा से पता चलता है कि इन सूचीबद्ध स्मारकों में कुल फुटफॉल 2019–20 में लगभग 4.60 करोड़ से 19.35 प्रतिशत बढ़कर 2023–24 में 5.49 करोड़ हो गया।

अनुराग ठाकुर ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की वकालत की, इसे देश के लिए जीत वाली स्थिति बताया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव के फॉर्मूले का कार्यान्वयन देश के लिए फायदेमंद होगा क्योंकि इससे न केवल विभिन्न चुनावों के संचालन में होने वाले खर्च में कमी आएगी बल्कि बहुत समय की भी बचत होगी। ″हरियाणा और जम्मू–कश्मीर में चुनाव (पिछले साल) लोकसभा चुनाव के कुछ महीनों के भीतर हुए थे। फिर महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में चुनाव हुए। इसलिए, एक साल में कम से कम पांच विधानसभा चुनाव होते हैं।

ठाकुर ने श्रीनगर में एक राष्ट्र, एक चुनाव पर पार्टी के एक कार्यक्रम के मौके पर संवाददाताओं से कहा, यदि सभी चुनाव एक साथ होते हैं, तो इससे खर्च कम होगा, समय की बचत होगी और मतदान प्रतिशत भी बढ़ेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों का खर्च कम होगा और देश को पैसा बचाने में मदद मिलेगी। ″(2024) लोकसभा चुनावों में राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, अन्य संस्थानों और केंद्र द्वारा लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिसे बचाया जा सकता है इस प्रकार, यह भारत के लिए एक जीत की स्थिति होगी जिसमें लोगों को पांच साल के लिए एक अच्छी सरकार मिलेगी, “ठाकुर ने कहा।

ओएनओई के कार्यान्वयन से, अधिकारी जो आमतौर पर चुनाव कराने में व्यस्त रहते हैं, वे अपने प्राथमिक कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे, हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से पांच बार के मौजूदा सांसद ने कहा। ″जब आदर्श आचार संहिता लागू होती है, तो यह विकास कार्यों को धीमा कर देती है। चुनाव कराने से पहले और बाद में बहुत समय बर्बाद होता है, जिसमें आमतौर पर 45–90 दिन लगते हैं।

″सरकार बनाने में भी समय लगता है, इसलिए बहुत समय बर्बाद होता है। इसलिए हम कह रहे हैं कि श्एक राष्ट्र, एक चुनावश होना चाहिए,“ ठाकुर ने कहा। अगर 2029 में ओएनओई फॉर्मूला लागू होता है, तो सभी चुनाव एक साथ होंगे, उन्होंने कहा। ″अगर यह (ओएनओई) 2029 तक परिपक्व होता है, तो हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात और पंजाब में चुनाव, जो 2027 में निर्धारित हैं, केवल दो साल के लिए वैध होंगे,

उन्होंने कहा, ष्अगर लोकसभा चुनाव और राज्य चुनाव एक साथ कराए जाएं तो देश को फायदा होगा।ष

जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के बारे में पूछे गए सवाल पर ठाकुर ने कहा कि भाजपा ने इसका वादा किया है और ‘‘जम्मू कश्मीर को यह मिलेगा।’’

जम्मू क्षेत्र में स्थिति के बारे में पूछे जाने पर, जहां हाल के दिनों में आतंकवादी हमलों की बाढ़ आ गई है, ठाकुर ने कहा कि भाजपा की आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति है।

उन्होंने कहा, ‘‘देशभर में नक्सलवाद और आतंकवाद से सख्ती से निपटा जा रहा है। कई जगहों पर नक्सली मारे जा रहे हैं और गिरफ्तार किए जा रहे हैं, जबकि कई नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं। अगर आप कश्मीर के हालात देखें तो पिछले सालों के मुकाबले अब काफी शांति है। ’’ उन्होंने कहा, ‘‘अगर जम्मू के कुछ हिस्सों में हमले करने की कोशिश हुई तो हमारे सुरक्षा बलों ने उन पर कड़ी कार्रवाई की। आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। भाजपा की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है।’’ यह पूछे जाने पर कि क्या कुछ भाजपा नेता वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर सुप्रीम कोर्ट पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ‘‘हम किसी पर कोई दबाव नहीं डाल रहे हैं।

पहलगाम हमले से अमरनाथ यात्रा प्रभावित नहीं होगी : उपमुख्यमंत्री

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले से वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा प्रभावित नहीं होगी, जो दक्षिण कश्मीर के इस पर्यटक स्थल से होकर गुजरती है।

पहलगाम वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए प्रमुख आधार शिविरों में से एक है और यह दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर तक जाने वाले पारंपरिक 43 किलोमीटर मार्ग पर पड़ता है।

चौधरी ने पीटीआई वीडियो को दिए साक्षात्कार में कहा, ष्अमरनाथ यात्रा एक धार्मिक आयोजन है। जो लोग अमरनाथ यात्रा पर आना चाहते हैं, वे अपनी इच्छा से आएंगे। कुछ लोग केदारनाथ जाते हैं और कुछ नहीं जाते क्योंकि वहां बर्फ होती है. .. सिर्फ़ पहलगाम आतंकी हमले की वजह से यात्रा प्रभावित नहीं होगी।

मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे, तथा कई अन्य घायल हो गए।

जम्मू–कश्मीर के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमला एक बड़ी घटना थी, लेकिन यह जम्मू–कश्मीर की समृद्ध संस्कृति और परंपरा की नींव को हिला नहीं सकता।

चौधरी ने कहा, ष्कश्मीरी खुद ही यात्रा की सुविधा प्रदान करेंगे, जैसा कि वे वर्षों से करते आ रहे हैं। मैं समझता हूं कि निर्दोष (पर्यटकों) ने अपनी जान गंवाई है, लेकिन हम यह नहीं भूल सकते कि आदिल जैसे लोग भी हैं, जो एक घोड़ा मालिक हैं, जिन्होंने पर्यटकों को बचाते हुए अपनी जान गंवा दी। जम्मू कश्मीर की संस्कृति समृद्ध है।ष्

उन्होंने कहा, ''पहलगाम में आतंकवादी कृत्य भले ही बड़ा था, लेकिन यह जम्मू–कश्मीर में भाईचारे की नींव को हिला नहीं सकता।''

इस वर्ष वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त को समाप्त होगी।

पहलगाम हमले के बाद कश्मीर में पर्यटन पर पड़ने वाले असर के बारे में चौधरी ने कहा, ष्हम नहीं चाहते थे कि पहलगाम हमले के बाद पर्यटक कश्मीर छोड़कर चले जाएं। हम चाहते थे कि पर्यटक अपनी यात्रा पूरी करें जिसकी उन्होंने योजना बनाई थी।

उन्होंने कहा, ष्हालांकि, हमने वापस लौटने के इच्छुक पर्यटकों को हर संभव सहायता प्रदान की है।

साथ ही हमने लोगों से कहा है कि वे अपनी सरकारों से कहें कि वे उनके राज्यों में पढ़ाई या काम कर रहे जम्मू–कश्मीर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें, क्योंकि इन घटनाओं में एक आम कश्मीरी की कोई भूमिका नहीं है।

जम्मू–कश्मीर में आतंकवादी गति. विधियों में पाकिस्तान की भूमिका पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस्लामाबाद को आत्मचिंतन करना होगा कि जब भी कुछ गलत होता है तो हमेशा उसकी ओर उंगलियां क्यों उठाई जाती हैं।

उन्होंने कहा, ष्पाकिस्तान को यह समझना होगा कि हमेशा उस पर ही आरोप क्यों मढ़े जाते हैं। ऐसी घटनाओं में किसी दूसरे देश का नाम क्यों नहीं लिया जाता? पाकिस्तान चाहे जितना इनकार कर ले, लेकिन यह सच है कि आतंकवाद की जड़ें वहीं हैं।

पहलगाम हमले के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के दौरान वीएचपी प्रमुख ने कहा, पीओजेके को भारत में शामिल किया जाए

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अध्यक्ष आलोक कुमार ने शुक्रवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर (पीओजेके) को भारत में शामिल करने और पड़ोसी देश द्वारा प्रायोजित आतंकवाद को समाप्त करने का आह्वान किया।

आरएसएस से जुड़े संगठन और उसकी युवा शाखा बजरंग दल ने पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया और श्जिहादी आतंकवाद और पापी पाकिस्तानश् के पुतले फूंके।

आतंकवादियों ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे और कई अन्य घायल हो गए। कुमार ने यहां

जंतर–मंतर पर आयोजित एक विरोध सभा में कहा, अब समय आ गया है कि दुनिया को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मुक्त कराया जाए और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को जिहादियों के चंगुल से मुक्त कराया जाए और इसे भारत में मिलाया जाए।

उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार द्वारा उठाए गए श्कठोर कूटनीतिक कदमोंश ने पाकिस्तान को दुनिया में अलग–थलग कर दिया है।

उन्होंने कहा, भारत पाकिस्तान सहित पूरी दुनिया में किसी भी भारत विरोधी ढांचे को पूरी तरह से खत्म करने में सक्षम है।श उन्होंने कहा, श्अब पाकिस्तान को अपने कुकर्मों की सजा भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। कुमार ने आगे कहा कि पहलगाम आतंकी हमला पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा कश्मीर की बढ़ती अर्थव्यवस्था और समृद्धि को नष्ट करने की साजिश के तहत किया गया था।

उन्होंने कहा, ष्कश्मीरी लोगों की समृद्धि पर्यटन पर आधारित है और इस घटना के माध्यम से पर्यटन उद्योग को नष्ट करने की साजिशें सफल नहीं होंगी।ष्

हरियाणा के रोहतक में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए विहिप के संयुक्त महासचिव सुरेंद्र जैन ने कहा कि पहलगाम की घटना महज एक साधारण आतंकवादी हमला नहीं है, बल्कि ष्देश की संप्रभुता और हिंदू समाजष् के लिए एक बड़ी चुनौती है।

उन्होंने कहा, ष्अब सरकार ने आर–पार की लड़ाई शुरू कर दी है और देश को भरोसा है कि जल्द ही अपेक्षित परिणाम देखने को मिलेंगे।ष्

जैन ने लोगों से एकजुटता का आह्वान करते हुए उन्हें सतर्क रहने और अपने समर्थन से सुरक्षा बलों के हाथ मजबूत करने को कहा।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल द्वारा जारी बयान में कहा गया, ष्देश भर में सैकड़ों स्थानों पर आयोजित विरोध प्रदर्शनों में समाज के सभी वर्गों के बुद्धिजीवियों और सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों के प्रमुख लोगों ने भाग लिया। इसमें कहा गया, सभी की एक ही मांग थी कि अब बहुत हो गया, देश में जिहादी आतंकवाद के समूह को नष्ट करना और पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाना बहुत जरूरी है।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में सीमा के पास जंग लगा गोला-बारूद बरामद

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

सांबा/जम्मू : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुरुवार को जम्मू–कश्मीर के सांबा जिले में भारत–पाकिस्तान सीमा पर गश्त के दौरान जंग लगे और पुराने गोला–बारूद बरामद किए।

उन्होंने बताया कि यह बरामदगी कामोरे गांव के निकट उस समय हुई जब बीएसएफ कर्मियों ने जंग लगे 7.62 एमएम मशीन गन के राउंडों से भरा एक पुराना बक्सा बरामद किया। इसके साथ ही एक जंग लगा ग्रेनेड खोल भी मिला जिसका इस्तेमाल स्वचालित ग्रेनेड लांचर (एजीएस) में किया जाता है।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि गोलाबारूद पुराना है और निष्क्रिय प्रतीत होता है। हालाँकि, क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है और बीएसएफ ने विस्तृत तलाशी ली है।

अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ और रामगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम जांच कर रही है।

पहलगाम हमला : विस्फोट में लश्कर-ए-तैयबा के 2 आतंकवादियों के घर नष्ट

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि पहलगाम आतंकवादी हमले के मुख्य संदिग्ध सहित लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के दो आतंकवादियों के घर तब नष्ट हो गए, जब माना जाता है कि वहां रखे गए विस्फोटकों में विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने बताया

कि घटनाएं गुरुवार और शुक्रवार की मध्यरात्रि को हुईं, जब सुरक्षा बल दक्षिण कश्मीर के बिजबेहरा और त्राल के गुरी गांव में क्रमशरू आदिल हुसैन थोकर और आसिफ शेख के आवासों की तलाशी ले रहे थे। अधिकारियों ने दावा किया

कि माना जाता है कि तलाशी अभियान के दौरान परिसर में विस्फोटक पाए गए, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने घरों में रहने वालों को साथ–साथ पड़ोसियों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोटों में दोनों घर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे वे नष्ट हो गए।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले का निवासी थोकर मंगलवार के पहलगाम नरसंहार के मुख्य आरोपियों में से एक है,

दोनों व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों ने दावा किया है कि उन्हें थोकर और शेख के ठिकाने के बारे में पता नहीं है।

उधमपुर के जंगलों, राजौरी, पुंछ में फरार आतंकवादियों की तलाश जारी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : तीन फरार आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुक्रवार को दूसरे दिन में प्रवेश कर गया, सुरक्षा एजेंसियों ने बहुस्तरीय घेराबंदी मजबूत कर दी है।

सुरक्षा बल उधमपुर जिले के वन क्षेत्र की तलाशी ले रहे हैं, जहां आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका है, साथ ही किश्तवाड़, कठुआ, राजौरी और पुंछ के इलाकों की भी तलाशी ली जा रही है। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा, सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के विशेष बलों द्वारा डुडु–बसंतगढ़ में तलाशी अभियान जारी है। यह भाग रहे आतंकवादियों को पकड़ने के लिए चल रहा है।

ऑपरेशन को हेलिकॉप्टर और ड्रोन द्वारा हवाई निगरानी का समर्थन प्राप्त है।

गुरुवार को दादू–बसंतगढ़ बेल्ट में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना के विशेष बल का

एक जवान शहीद हो गया। जवान विशेष बल के 6 पैरा के हवलदार झंटू अली शेख थे शुक्रवार को डोडा में संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और आईजीपी भीम सेन टूटी की अध्यक्षता में सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की गई।

पहलगाम आतंकी हमला : पाकिस्तान से तनाव के बीच नौसेना ने दागी मिसाइलें, दिखाई अपनी ताकत

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं (जल–थल–नौसेना) को तैयार रहने का आद.`श दिया. इसके दूसरे दिन भारत के नवीनतम स्वदेशी युद्धपोत, आईएनएस सूरत ने इस सप्ताह अरब सागर में मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली का उपयोग करके एक तेज, कम उड़ान वाले लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेद दिया. भारतीय नौसेना ने स्वदेशी युद्धपोत निर्माण में एक और बड़ी छलांग लगाई है. छ्ठे सूरत, जो कि भारत का नया स्वदेशी गाइडेड मिसाइल विध्वंसक जहाज है, ने समुद्र की सतह के करीब उड़ते लक्ष्य पर सटीक हमला करके नौसेना की ताकत को नया मुकाम दिया है. इस मिशन में एक खास तकनीक का इस्तेमाल हुआ, जिसे "कोऑपरेटिव एंगेजमेंट" कहा जाता है. इसका मतलब है कि जहाज ने अपने सेंसर और हथियार प्रणाली को दूसरे प्लेटफॉर्म्स के साथ मिलाकर एकदम सटीक हमला किया., यह कामयाबी भारत की स्वदेशी तकनीक, डिजाइन और रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को दिखाता है.

नौसेना ने दिखाई अपनी ताकत

इजराइल के साथ संयुक्त रूप से विकसित मिसाइल प्रणाली की 70 किलोमीटर की अवरोधन सीमा है और इसे समुद्र–स्किमिंग खतरों से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है. परीक्षण ने लाइव परिचालन स्थितियों के तहत उच्च

परिशुद्धता का प्रदर्शन किया.

परीक्षण लॉन्च का एक वीडियो साझा करते हुए, भारतीय नौसेना ने कहा कि नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र की सतह पर लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया, जो हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर है.

इस परीक्षण से नौसेना ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है. भारतीय नौसेना ने पश्चिमी हिंद महासागर में परीक्षण किया है. यह लोकेशन उसी जगह के पास जहां पाकिस्तान मिसाइल परीक्षण/फायरिंग करने वाला है. दरअसल, पाकिस्तान की नौसेना अरब सागर में अभ्यास कर रही थी. इस बीच भारत भी मिसाइल फायर अभ्यास कर रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले बिहार के मधुबनी से संदेश दिया था कि भारत आतंकियों को ढूंढ़ने और उनके सरपरस्तों को कड़ी सजा देने के लिए पूरी ताकत लगाएगा. इस संदेश के कुछ ही घंटों के भीतर नौसेना ने मिसाइलें दाग दीं.

भारतीय खुफिया और रक्षा एजेंसियां सतर्क

पाकिस्तान के मिसाइल परीक्षण को लेकर भारतीय खुफिया और रक्षा एजेंसियां पहले से ही पूरी तरह सतर्क हैं और हर गतिविधि पर बारीकी से नजर रख रही हैं. भारतीय नौसेना की यह हालिया उपलब्धि ना सिर्फ तकनीकी दृष्टि से अहम है, बल्कि यह एक रणनीतिक संतुलन को भी दिखाती है.

इस परीक्षण के जरिए भारत ने साफ कर दिया है कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में किसी भी गतिविधि को नजरअंदाज नहीं करेगा. चाहे वो पाकिस्तान का परीक्षण हो या किसी और देश की गतिविधि, भारत की निगाहें हर दिशा में हैं.

पाकिस्तान को दिया कड़ा संदेश

कूटनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, इस तरह भारत ने पाकिस्तानी नौसेना के अभ्यास का जवाबी संदेश दिया. दरअसल, अरब सागर पर अपनी ताकत जताने के लिए सबसे पहले पाकिस्तान ने यह अभ्यास शुरू किया था. भारत को यह संदेश देने की कोशिश की गई कि उसने अरब सागर में पाकिस्तानी नौसेना को तैयार रखा है, लेकिन भारतीय नौसेना ने व्यावहारिक तौर पर यह साफ कर दिया कि अगर उन्होंने हमला किया तो जवाब में भारत चुप नहीं बैठेगा और इसीलिए छ्ठे सूरत से एक के बाद एक मिसाइलें दागी गईं. दूसरे शब्दों में नौसेना यह स्पष्ट करने की कोशिश कर रही है कि वे भारतीय जल सीमा में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं.

घाटी के लोग आतिथ्य की अपनी सदियों पुरानी परंपराओं को कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध : कश्मीर व्यापार मंडल

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : कश्मीर चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) – एक शीर्ष व्यापार निकाय ने गुरुवार को कहा कि घाटी के लोग आतिथ्य की अपनी सदियों पुरानी परंपराओं को बनाए रखने और मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, केसीसीआई के अध्यक्ष जावेद अहमद टेंगा ने कहा कि कश्मीर के लोगों ने पहलगाम हमले की सबसे कड़े शब्दों में निंदा की है क्योंकि इस तरह की घटनाओं का समाज में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने पहलगाम के बैसरन में निर्दोष नागरिकों पर हमले के विरोध में बुधवार को पूर्ण बंद रखने के लिए कश्मीर के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, कश्मीर के लोग इस हिंसा की सबसे कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। इस तरह के कृत्यों का हमारे समाज, हमारी संस्कृति या हमारे मूल्यों में कोई स्थान नहीं है। कश्मीर हमेशा अपने आतिथ्य के लिए जाना जाता है। केसीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि बुधवार को घाटी भर में बंद, जिसका व्यापार निकाय ने भी समर्थन किया था, केवल एक विरोध नहीं था, यह एक संदेश था कि व्यापारिक समुदाय और कश्मीर के लोग निर्दोष लोगों की हत्याओं और सभी प्रकार की हिंसा के खिलाफ एकजुट हैं।

श्रीराम जनरल इंश्योरेंस ने जम्मू-कश्मीर में बादल फटने के बाद नष्ट हुए वाहनों के लिए 24 घंटे में मोटर बीमा दावों का निपटान करके उद्योग जगत में नया मानक स्थापित किया

एजेंसी

जम्मू : भारत की अग्रणी गैर–जीवन बीमा कंपनियों में से एक, श्रीराम जनरल इंश्योरेंस (एसजीआई) ने हाल ही में जम्मू और कश्मीर के रामबन जिले में 24 घंटे के अंदर दो मोटर बीमा दावों का निपटान करके उद्योग में एक नया मानक स्थापित किया है।

हाल ही में रामबन में भरी बारिश के कारण बड़े पैमाने हुए भूस्खलन में, एक माल ढोने वाला वाणिज्यिक वाहन (जीसीसीवी) – टाटा 1616, और एक यात्री ढोने वाला वाणिज्यिक वाहन (पीसीसीवी) – टाटा मैजिक, डूबने की वजह से नष्ट हो गए।

एसजीआई दावा टीम ने दावा सूचना प्राप्त होते ही तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी, अपने आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल को सक्रिय कर दिया और दोनों दावों का निपटान 24 घंटे के भीतर कुशलतापूर्वक किया, जिससे दोनों वाहनों के मालिकों को तत्काल वित्तीय और भावनात्मक राहत सुनिश्चित हुई।

एंटी-क्राइम एनजीओ के अध्यक्ष शाम लाल गुप्ता ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की, आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : एंटी–क्राइम (एनजीओ) के अध्यक्ष शाम लाल गुप्ता ने अनंतनाग जिले के पहलगाम के बैसरन इलाके में पर्यटकों पर हुए बर्बर आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। उन्होंने इस कृत्य को कायरतापूर्ण और अमानवीय बताया, जिसका उद्देश्य जम्मू–कश्मीर में शांति और सद्भाव के बढ़ते माहौल को बाधित करना है।

इस जघन्य घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए गुप्ता ने कहा कि इस तरह के आतंकी कृत्य उन लोगों की हताशा को दर्शाते हैं जो केंद्र शासित प्रदेश में सामान्य स्थिति, पर्यटन और स्थिरता की वापसी को बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक गर्मजोशी का आनंद लेने आए निहत्थे नागरिकों पर हमला करना एक शर्मनाक और घृणित कृत्य है। जम्मू–कश्मीर की छवि को धूमिल करने के इन प्रयासों की हर सही सोच वाले नागरिक द्वारा निंदा की जानी चाहिए।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जम्मू–कश्मीर के लोगों ने शांति, विकास और भाईचारे की अपनी आकांक्षा को बार–बार व्यक्त किया है – एक ऐसी आकांक्षा जिसे आतंकवादी विफल करने की कोशिश

कर रहे हैं। उन्होंने कहा, शांति के दुश्मन पर्यटकों और स्थानीय समुदायों में भय पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उनके नापाक मंसूबे सफल नहीं होंगे, क्योंकि इस क्षेत्र के लोग आतंकवाद के खिलाफ अपने संकल्प में एकजुट हैं। शाम लाल गुप्ता ने एक मजबूत और निर्णायक जवाब का आह्वान करते हुए सुरक्षा बलों से हमले के अपराधियों और आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन या आश्रय देने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ पूरी ताकत से कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, रक्तपात फैलाने और सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने वालों के प्रति शून्य सहिष्णुता होनी चाहिए। उन्होंने राजनीतिक नेताओं और नागरिक समाज संगठनों सहित बड़े पैमाने पर समाज से सभी मतभेदों से ऊपर उठने और पीड़ितों के समर्थन में एक साथ आने की अपील की, साथ ही क्षेत्र से आतंकवाद को खत्म करने के उनके मिशन में सुरक्षा बलों को पूरा समर्थन दिया।

रामबन में भूस्खलन प्रभावितों के लिए पर्याप्त केंद्रीय सहायता मिलने का भरोसा : सीएम उमर

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

रामबन : जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि वह रामबन को ष्आपदा क्षेत्रष घोषित करने के लिए केंद्र से संपर्क करेंगे और उम्मीद जताई कि पहाड़ी जिले में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए पर्याप्त केंद्रीय सहायता प्रदान की जाएगी। दो दिनों में प्रभावित क्षेत्र के अपने दूसरे दौरे में मुख्यमंत्री ने जमीनी स्थिति का आकलन किया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क साफ करने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है और अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली एकमात्र सड़क अगले 24 घंटों के भीतर एकल–तरफा यातायात के लिए बहाल कर दी जाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, प्रशासन की पहली प्राथमिकता अपने घरों और वाहनों में फंसे लोगों की जान बचाना था, जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया। दूसरी प्राथमिकता संपर्क बहाल करने के लिए अवरुद्ध सड़कों को बहाल करना है और इसके लिए मशीनरी तैनात की गई है और मुझे आश्वासन दिया गया है कि राजमार्ग को 24 घंटे में एकल–तरफा यातायात के लिए खोल दिया जाएगा, जिसके बाद अन्य क्षेत्रों में भारी कीचड़ को साफ किया जाएगा।

अब्दुल्ला ने कहा, हम प्रभावित लोगा. ें को उनके घरों के बहाल होने तक अस्थायी रूप से कहीं और पुनर्वासित करने का प्रयास कर रहे हैं। डिप्टी कमिश्नर (बसीर–उल–हक चौधरी) को प्रभावित परिवारों को रेड क्रॉस मानदंडों के तहत तत्काल राहत प्रदान करने का निर्देश दिया गया है और जब पुनर्वास कार्य पूरा हो जाएगा, तो हम एसडीआरएफ और एनडीआरएफ मानदंडों के तहत राहत प्रदान करने के लिए आकलन करेंगे। हम रामबन को श्आपदा क्षेत्रश घोषित करने के लिए केंद्र से भी संपर्क करेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि केंद्र हमें आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।ष

प्राकृतिक आपदा ने तीन लोगों की जान ले ली है, जबकि आवासीय संरचनाओं, वाहनों और महत्वपूर्ण सड़क बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुँचा है। मुख्यमंत्री अपने राजनीतिक सलाहक. ार नासिर असलम वानी के साथ आज सुबह हेलीकॉप्टर से रामबन के चंद्रकोट इलाके में गए और स्थिति का आकलन करने के लिए तुरंत भूस्खलन प्रभावित सेरी के लिए रवाना हो गए। रामबन के डिप्टी कमिश्नर को मुख्यमंत्री को जानकारी देते हुए देखा गया, जबकि वे पैदल ही प्रभावित परिवारों से मिलने गए। मुख्यमंत्री ने रामबन बाजार में अपने दौरे के दौरान अचानक रुककर निवासियों के एक समूह से मुलाकात की, जिन्होंने उनके काफिले को रोका था और विनाशकारी बादल फटने से उनके घरों को हुए नुकसान के बाद तत्काल सहायता की मांग की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आपकी चिंताअ. ों को सुनने के लिए यहां हूं और आपक. ो आश्वासन देता हूं कि हम आपके जीवन को फिर से पटरी पर लाने में आपकी हर संभव मदद करेंगे। भीड़ में से एक आक्रोशित महिला ने कहा, ष्बादल फटने से हमारा घर बह गया, लेकिन प्रशासन से किसी ने अभी तक कोई मदद नहीं की है। अगर सरकार हमारी बात नहीं सुनेगी, तो कौन सुनेगा? हमने उन्हें चुना है, और हमें राहत पहुंच. ाना उनकी जिम्मेदारी है।ष प्रदर्शनकारियों ने ष्हमारी मांगें पूरी करोष के नारे लगाए और माहौल में आक्रोश फैल गया।

एक अन्य निवासी ने समुदाय के भीतर चल रहे संकट को उजागर किया, यह दर्शाता है कि प्रशासन ने अभी तक प्रभावित क्षेत्रों में कोई राहत या बिजली और पानी की आपूर्ति जैसी आवश्यक सेवाओं को बहाल नहीं किया है। विरोध का स्पष्ट संदर्भ देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि यह तीसरी बार है जब प्रशासन के वरिष्ठ मंत्रियों ने स्थिति की समीक्षा करने और बचाव और राहत उपायों की निगरानी करने के लिए रामबन का दौरा किया।

पहलगाम हमला : राहुल ने सीएम उमर अब्दुल्ला से की मुलाकात

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के परिणामों पर चर्चा करने के लिए जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले गांधी ने यहां सेना के अस्पताल में घायल पर्यटकों से बातचीत की थी। उन्होंने अब्दुल्ला से उनके आवास पर मुलाक. ात की। मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे, तथा कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कांग्रेस नेता ने इससे पहले व्यापार प्रतिनिधियों, छात्र नेताअ. ों और पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधियों समेत विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की। गांधी का दिन में बाद में मीडियाकर्मियों से बातचीत करने का कार्यक्रम है।

सोशल मीडिया पोस्ट से सावधान रहें, उपहार अस्वीकार करें : जल्द ही सिविल सेवक बनने वाले लोगों के लिए दिशानिर्देश

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : शुक्रवार को जारी आधिकारिक दिशा–निर्देशों में कहा गया है कि हाल ही में चयनित सभी सिविल सेवा उम्मीदवारों को इस बात का ध्यान रखना होगा कि उनके सोशल मीडिया पोस्ट से उनकी सेवा की छवि झलके और वे उपहार, आतिथ्य और मुफ्त प्रचार जैसे सभी प्रकार के प्रलोभनों को अस्वीकार करें। इसमें कहा गया है कि सिविल सेवक राज्य का सार्वजनिक चेहरा हैं और उनका आचरण निरंतर सार्वजनिक जांच के दायरे में रहता है।

मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) द्वारा जारी दिशा–निर्देशों में कहा गया है, ष्आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आपका व्यक्तिगत आचरण और आम जनता, जनप्रतिनिधियों, कॉर्पोरेट संस्थाओं, नागरिक समाज संगठनों, सरकारी कर्मियों, अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों और समाज के कमजोर वर्गों के साथ आपका आधिक. ारिक और सामाजिक व्यवहार विनम्र, सम्मानजनक, गरिमापूर्ण और उचित हो।ष यह दिशा–निर्देश सिविल सेवकों के लिए एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है।

ये दिशा–निर्देश सिविल सेवा परीक्षा 2024 के माध्यम से चयनित उम्मीदवारों के लिए हैं, जिसके परिणाम मंगलवार को घोषित किए गए। इस परीक्षा में 1,009 उम्मीदवार सफल हुए हैं। भविष्य के सिविल सेवक के रूप में आपसे हमेशा एक आदर्श बनने की उम्मीद की जाती है। आपके पिछले कार्य भी आपके पूरे करियर में आपके चरित्र और व्यक्तित्व का प्रतिबिंब होंगे। आपको आज से ही एक अधिकारी के लिए आदर्श आचरण दिखाना शुरू कर देना चाहिए और अपने प्रशिक्षण के शुरू होने का इंतजार नहीं करना चाहिए। आप शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण के संस्थानों में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन होंगे,ष इसमें कहा गया है। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि "सोशल मीडिया पर आपके द्वारा की गई या सुगम की गई टिप्पणियां और कोई भी पोस्ट भी सेवा पर प्रतिबिंबित होंगी।"

इसलिए, आपको इस चरण में भी सावधान रहना चाहिए, ऐसे पोस्ट से बचना चाहिए जो सेवा या उसके सदस्यों को बदनाम कर सकते हैं। ऐसी सामग्री पोस्ट करने के बारे में सतर्क और विवेकपूर्ण रहें जिसे किसी अधिकारी/सेवा के सदस्य के लिए अव्यवसायिक या अनुचित माना जा सकता है,ष यह कहा। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि विशेष रूप से, सोशल मीडिया पर आवेगपूर्ण तरीके से बयान पोस्ट करने से बचना चाहिए।

इसमें कहा गया है, ष्थोड़ा रुकें और जो आप पोस्ट करने जा रहे हैं उसके संभावित प्रभाव पर विचार करें। इसके बजाय, किसी भी सामग्री को पोस्ट करने से बचना उचित है, क्योंकि इससे व्यक्तिगत/संस्थागत स्तर पर गलत व्याख्या हो सकती है। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि अकादमी का आदर्श वाक्य, श्शीलम् परम भूषणम्श – चरित्र सर्वोच्च अलंकरण है – अधिक. ारियों और पूर्व छात्रों को हर समय ईमानदारी, गरिमा, विनम्रता और सदाचार के साथ आचरण करने के लिए मार्गदर्शन करता है, साथ ही कहा गया है कि उनका आंतरिक विवेक ही आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका है और ये क्या करें और क्या न करें ष्एक अच्छी शुरुआत हो सकती है। ष्किसी अधिकारी की विश्वसनीयता उसकी ईमानदारी से तय होती है, जो एक शाश्वत गुण है। वित्तीय मुद्दों का सावधानीपूर्वक हिसाब रखना और उपहार, आतिथ्य और मुफ्त प्रचार जैसे सभी प्रकार के प्रलोभनों को अस्वीकार करना महत्वपूर्ण है। इस संदर्भ में ध्यान रखा जाना चाहिए कि आपकी सफलता का किसी भी स्तर पर अनुचित तरीके से लाभ न उठाया जाए, इसमें कहा गया है।

पेगासस विवाद - सुप्रीम कोर्ट ने अनधिकृत उपयोग की जांच के लिए याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 29 अप्रैल की तारीख तय की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

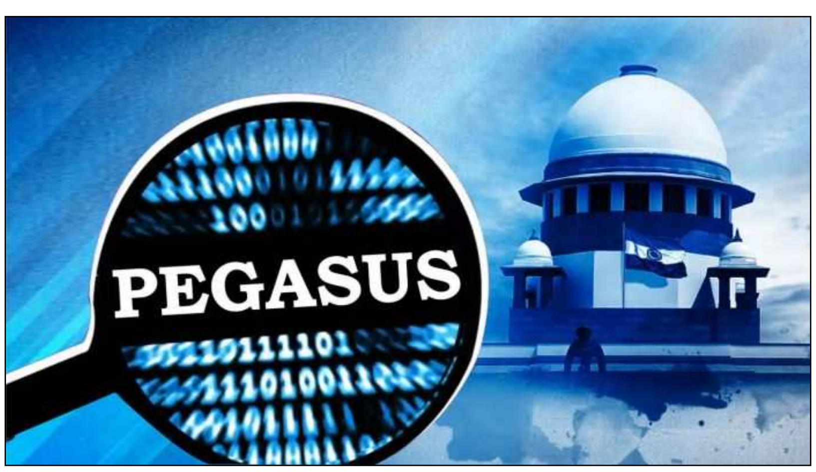

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पत्रकारों समेत अन्य की निगरानी के लिए पेगासस स्पाइवेयर के कथित अनधिकृत इस्तेमाल की जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए अगला सप्ताह तय किया।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने समय की कमी के चलते सुनवाई 29 अप्रैल के लिए टाल दी।

कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि शीर्ष अदालत ने पहले एक तकनीकी पैनल की रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था, लेकिन ऐसी कोई रिपोर्ट साझा नहीं की गई।

दीवान ने कहा, ष्इस अदालत को कुछ निर्देश पारित करने होंगे, क्योंकि हमें रिपोर्ट नहीं मिली हैं। कृपया इस पर तत्काल सुनवाई करें।ष

पीठ ने मामले को अगले सप्ताह सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने 7 मार्च को याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 22 अप्रैल की तारीख तय की थी।

25 अगस्त, 2022 को शीर्ष अदालत ने कहा कि पेगासस के अनधिकृत इस्तेमाल की जांच के लिए उसके द्वारा नियुक्त तकनीकी पैनल ने जांचे गए 29 सेल फोन में से पांच में कुछ मैलवेयर पाए, लेकिन यह नहीं माना जा सकता कि इजरायली स्पाइवेयर का इस्तेमाल किया गया था।

शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश आरवी रवींद्रन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को पढ़ने के बाद, शीर्ष अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार ने पेगासस जांच में सहयोग नहीं किया।

शीर्ष अदालत ने 2021 में राजनेताओं, पत्रकारों और कार्यकर्ताओं की लक्षित निगरानी के लिए सरकारी एजेंसियों द्वारा इज़राइली स्पाइवेयर के उपयोग के आरा. ेपों की जांच का आदेश दिया और मामले की जांच के लिए तकनीकी और पर्यवेक्षी समितियों को नियुक्त किया। निगरानी पैनल ने एक "लंबी" तीन–भाग की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें से एक ने नागरिकों के निजता के अधिकार की रक्षा और देश की साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानून में संशोधन का सुझाव दिया।

तकनीकी पैनल, जिसमें साइबर सुरक्षा, डिजिटल फोरेंसिक, नेटवर्क और हार्डवेयर के तीन विशेषज्ञ शामिल थे, को शीर्ष अदालत ने "जांच, जांच और निर्धारण" करने के लिए कहा था कि क्या पेगासस स्पाइवेयर का इस्तेमाल नागरिकों की जासूसी करने के लिए किया गया था और उनकी जांच की निगरानी रवींद्रन द्वारा की जाएगी।

जम्मू में 'पहलगाम आतंकी हमले' के शहीदों के लिए भाजपा ने हवन और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्म : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जम्मू और कश्मीर ने पहलगाम आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए भाजपा मुख्यालय, त्रिकुटा नगर, जम्मू में एक औपचारिक हवन और उसके बाद श्रद्धांजलि समारोह (श्रद्धांजलि सभा) का आयोजन किया।

इस अवसर पर जम्मू–कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष सत शर्मा, जम्मू–कश्मीर भाजपा के महासचिव (संगठन) अशोक कौल, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. निर्मल सिंह और कविंदर गुप्ता, उपाध्यक्ष और विधायक शाम लाल शर्मा और युद्धवीर सेठी, महासचिव एडवोकेट विबोध गुप्ता, प्रो. घारू राम भगत, चौ. विक्रम रंधावा, ठा. रणधीर सिंह और सुरिंदर भगत, विधायक, पूर्व मंत्री प्रिया सेठी और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओ. ने पुष्पांजलि अर्पित की।

भाजपा नेताओं ने हवन–पूजन कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की, फिर पुष्पांजलि अर्पित की और बाद में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। भाजपा नेतृत्व ने शहीदों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और समाज के सभी वर्गों से शांति और न्याय के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने का आह्वान किया। पहलगाम में आतंकवादी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए सत शर्मा ने कहा कि इन बेखौफ पीड़ितों की इस बेवजह शहादत से पूरा देश दुखी है। उन्होंने कहा कि कुछ निहित स्वार्थी तत्व जम्मू–कश्मीर में चल रही शांति, प्रगति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी धर्म साथी

मनुष्यों के बीच नफरत का उपदेश नहीं देता है और आतंकवाद के जघन्य कृत्यों की सभी को निंदा करनी चाहिए। शर्मा ने स्थानीय कश्मीरी व्यापारियों का हवाला दिया, जो इस आतंकवादी हमले के बाद बेसहारा हो गए हैं। इससे पहले, वे अनुच्छेद 370 और 35ए के निरस्त होने के बाद आम कश्मीरी की आय में जबरदस्त वृद्धि और सामाजिक–आर्थिक स्थिति में समग्र सुधार की सराहना कर रहे थे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पीएम नरेंद्र मोदी और एचएम अमित शाह नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और जोरदार जवाबी कार्रवाई करने के लिए दृढ़ हैं।

मोदी सरकार की प्रतिबद्धता पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के सभी दोषियों को जीवन भर का सबक सिखाया जाएगा। अशोक कौल ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इस दुखद घटना ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने तत्काल कश्मीर के लिए उड़ान भरने के बाद निकासी, चिकित्सा उपचार और सुरक्षा उपायों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी की। उन्होंने आतंकवादियों द्वारा सांप्रदायिक तरीके से निर्दोष नागरिकों की लक्षित हत्या पर अपनी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह पर स्थानीय भावनाओं को भड़काने का आरोप लगाया, जिसमें उन्होंने कहा कि पर्यटन कश्मीर की संस्कृति पर आक्रमण कर रहा है। कश्मीर में आतंकवाद विरोधी प्रदर्शनों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शन (यदि कुछ दशक पहले किए गए होते) कश्मीर में मौजूदा अशांति को रोका जा सकता था।

डॉ. निर्मल सिंह ने मोदी सरकार पर भरोसा जताया और आतंकवाद के खिलाफ सभी राजनीतिक दलों के साझा रुख पर जोर दिया।

कवींद्र गुप्ता ने कहा कि इस त्रासदी को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा और यह घटना आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को नई दिशा देगी।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ शुरू

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने बताया कि

सुरक्षा बलों ने कुलगाम जिले के तंगमर्ग इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी करने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि विस्तृत जानक. ारी का इंतजार है।

वायुसेना ने पहलगाम हमले में वायुसेना कर्मियों की मौत पर शोक जताया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले में अपने एक कर्मी की मौत पर शोक व्यक्त किया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

आईएएफ ने कॉर्पोरल के बारे में अपडेट को उनकी तस्वीर के साथ एक्स पर एक पोस्ट में साझा किया।

पोस्ट में वायुसेना ने यह भी कहा कि वह उन परिवारों के साथ एकजुटता में खड़ी है जिनके सदस्य हमले में मारे गए या घायल हुए। आईएएफ ने एक्स पर पोस्ट किया, "भारतीय वायुसेना के सभी वायु योद्धा पहलगाम में आतंकी हमले में कॉर्पोरल तागे हैलियांग के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हैं और इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।" "आईएएफ उन सभी लोगों के परिवारों के साथ एकजुटता में खड़ी है जिन्होंने अपनी जान गंवाई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती है। मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे और कई अन्य घायल हो गए। मृतकों में दो विदेशी (यूएई और नेपाल से) और दो स्थानीय लोग शामिल हैं।

मटन में झोंक दिया था नमक... ढाबे वाले की गलती ने बचा ली जान, पहलगाम हमले में 11 लोगों की आपबीती

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के पहलगाम के बैसरन में बीते मंगलवार को बड़ा आतंकी हमला हुआ,जिससे बाद पूरे देश में आक्रोश है. यहां आतंकियों ने एक टूरिस्ट ग्रुप को निशाना बनाया, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई. दर्जन भर से ज्यादा लोग घायल भी हुए. यहां मारे गए लोगों को परिजना. और जो लोग बाल– बाल बचे उनकी आपबीती डरा देने वाली है।

इन्हीं पर्यटकों में केरल का एक 11 सदस्यों का परिवार भी कश्मीर घूमने पहुंचा था.लेकिन लंच में ज्यादा नमक पड़ जाने और दोबारा ऑर्डर तैयार करने की ढाबे वाले की जिद ने उन्हें आतंकियों की गोली का शिकार होने से बचा लिया. कोच्चि की रहने वाली लावन्या और उनके परिवार के 10 अन्य सदस्य उस दिन पहलगाम जा रहे थे जिस दिन आतंकी हमला हुआ

लावन्या ने बताया –हमने पहलगाम के दो दिन के ट्रिप की योजना बनाई थी क्योंकि हम खास पहलगाम को ज्यादा अच्छे से देखना चाहते थे.हम ऊपर जा रहे थे और वहां से सिर्फ दो किलोमीटर दूर थे. लेकिन एक ढाबे में लंच करने के लिए रुके. बाल–बाल बचने के लिए, हम दो लोगों की आभारी हैं – एक तो ढाबे का स्टाफ़ जिसने हमारे ऑर्डर किए गए मटन रोगन जोश में ज्यादा नमक डाल दिया था और फिर वह हमारे लिए उसे दोबारा बनाने लगा लावन्या ने आगे बताया– जब हम दोबारा लंच करने लगे तभी हमने 10–20 घोड़ों को नीचे की ओर भागते देखा.हमें लगा कि कुछ गड़बड़ है क्योंकि जानवर घबराए हुए थे। हमने पहले सोचा कि यह भूस्खलन हो सकता है लेकिन फिर समझ में आया कि ऐसा नहीं है.हमने ऊपर जाने का फैसला किया लेकिन फिर नीचे आ रहे कुछ वाहनों ने हाथ के इशारे से हमें न जाने के लिए कहा.

उन्होंने आगे बताया– किसी ने हमें बताया कि सीआरपीएफ़ और पर्यटकों के बीच कुछ बहस हो गई है.हमने फिर भी ऊपर जाने के बारे में सोचा लेकिन आखिरकार योजना को छोड़ने का फैसला किया.बाद में हम नीचे गए और तस्वीरें लीं क्योंकि हमें ठीक से पता नहीं था कि क्या हो रहा है.जब हमने एक महिला को रोते हुए और सीआरपीएफ के साथ आते देखा, तो हमें समझ में आ गया कि कुछ ठीक नहीं है. तभी हमारे दोस्तों और परिवार के लोगों से फोन आने लगे, जो हमारी सुरक्षा के बारे में पूछ रहे थे. फिर जब हमने न्यूज देखी, तब हमें समझ में आया कि हम किस मुसीबत से बच गए और हम कितने भाग्यशाली थे।

लावन्या ने कहा– हमने पिछले दो दिनों में लंच नहीं किया था क्योंकि टूरिस्ट सीजन है और बहुत भीड़ थी, लेकिन उस दिन मेरे पति ने एक ढाबे में रुकने के लिए कहा और जोर देकर कहा कि हम लंच करें.यहां हमने जो मटन रोगन जोश मंगवाया था, उसमें बहुत नमक था और उसमें बहुत सारी बोन्स थीं, जिन्हें हमारे 70 से ज़्यादा उम्र के माता–पिता के लिए खाना मुश्किल था । हमने ढाबे के स्टाफ को इस बारे में बताया.उन्हें बहुत बुरा लगा और वे इसे हमारे लिए फिर से ताजा लंच बनाने लगे.हमने कहा कि हम देर हो जाएगी लेकिन वे नहीं माने और दोबार ऑर्डर तैयार करने लगे.शुक्र है कि उन्होंने ये जिद की. उनकी इस देरी से हमारी जान बच गई

भूस्खलन प्रभावित जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग एकतरफा यातायात के लिए खोला गया; फंसे हुए यात्रियों के लिए विशेष ट्रेन

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : भूस्खलन से प्रभावित जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग तीन दिनों तक बंद रहने के बाद बुधवार को एकतरफा यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया, जबकि फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए कटरा से नई दिल्ली के लिए एक विशेष ट्रेन शुरू की गई है, एक आधिक. ारिक प्रवक्ता ने कहा।

कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र बारहमासी राजमार्ग, मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर खोला गया था, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

भीषण आतंकवादी हमले के बाद हजारों पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं, अधिकारी उनके अपने–अपने गृह राज्यों में सुरक्षित वापसी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पर्यटकों का पलायन देखना "दिल दहला देने वाला" ह।

अब्दुल्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्कल पहलगाम में हुए दुखद आतंकी हमले के बाद घाटी से हमारे मेहमानों का पलायन देखना दुखद है, लेकिन साथ ही हम पूरी तरह से समझते हैं कि लोग क्यों जाना चाहते हैं। डीजीसीए और नागरिक उड्डयन मंत्रालय अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था करने के लिए काम कर रहे हैं, श्रीनगर और जम्मू के बीच एनएच–44 को एक ही दिशा में यातायात के लिए फिर से जोड़ दिया गया है।

ष्मैंने प्रशासन को श्रीनगर और जम्मू के बीच यातायात को सुगम बनाने का निर्देश दिया है, ताकि पर्यटक वाहन निकल सकें। यह नियंत्रित और व्यवस्थित तरीके से किया जाना चाहिए, क्योंकि सड़क अभी भी कई जगहों पर अस्थिर है और हम सभी फंसे हुए वाहनों को निकालने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम इस समय वाहनों की पूरी तरह से मुक्त आवा. जाही की अनुमति नहीं दे पाएंगे और हमें उम्मीद है कि हर कोई हमारा सहयोग करेगा।ष

रविवार की सुबह भारी बारिश और बादल फटने से हुए कई भूस्खलनों के कारण राजमार्ग अवरुद्ध हो गया था।

पलायन, बुकिंग रद्द : पहलगाम आतंकी हमला जम्मू-कश्मीर पर्यटन पर हमला

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली/श्रीनगर : पहलगाम आतंकी हमले से जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को झटका लगने वाला है। देश के कई हिस्सों में ट्रैवल एजेंसियों ने केंद्र शासित प्रदेश में बड़े पैमाने पर निर्धारित यात्राओं को रद्द करने की सूचना दी है। वहीं केंद्र ने कहा है कि वह जम्मू-कश्मीर में आतिथ्य क्षेत्र पर प्रभाव को "न्यूनतम" करने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगा।

अनंतनाग जिले में पहलगाम के पास बैसरन मैदान में आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों की हत्या के एक दिन बाद बुधवार को हजारों पर्यटकों ने कश्मीर छोड़ना शुरू कर दिया।

जम्मू-कश्मीर में ट्रैवल एजेंटों ने कहा कि अधिकांश पर्यटक डर के कारण घाटी छोड़ रहे हैं। श्रीनगर के एक ट्रैवल ऑपरेटर ऐजाज अली ने कहा, "हम जानते हैं कि पर्यटक कश्मीर में काफी हद तक सुरक्षित हैं, लेकिन यहां ऐसी घटना होने के बाद, कोई उनसे यहीं रहने की उम्मीद नहीं कर सकता। रद्दीकरण बड़े पैमाने पर हैं, करीब 80 प्रतिशत।"

उन्होंने कहा कि अगले एक महीने के लिए भी पैकेज रद्द किए गए हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पर्यटकों का पलायन देखना "दिल तोड़ने वाला" है। उन्होंने बुधवार शाम को विशेष कैबिनेट बैठक बुलाई है, जिसमें कश्मीर में अर्थव्यवस्था के मुख्य आधार पर्यटन पर विनाशकारी हमले के प्रभाव पर चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय राजधानी में, ट्रैवल एजेंसियों ने बताया कि कश्मीर के लिए लगभग 90 प्रतिशत बुकिंग रद्द कर दी गई है, जबकि कुछ पर्यटक वैकल्पिक गंतव्यों पर जाने की योजना बना रहे हैं। दिल्ली में

एक ट्रैवल ऑपरेटर देव ने पीटीआई को बताया, ''हमारे पास परिवारों की ओर से कुछ बुकिंग थी। बस और फ्लाइट टिकट से लेकर होटल तक – सब कुछ पहले से बुक था। लेकिन जैसे ही आतंकी हमले की खबर आई, हमें रद्दीकरण के लिए कॉल आने लगे।''

पूर्वी भारत में जम्मू-कश्मीर की यात्रा के लिए एक प्रमुख केंद्र कोलकाता में पर्यटन उद्योग के नेताओं ने दावा किया कि यह घटना कश्मीर घाटी में वर्षों की वसूली और विकास को खत्म कर सकती है। ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्वी अध्याय के अध्यक्ष बिलोलक्ष दास

ने कहा, ''कश्मीर में पहले भी आतंकी हमले हुए हैं। लेकिन इससे पहले कभी भी पर्यटकों की पहचान नहीं की गई और उन्हें नहीं मारा गया। इस घटना के बाद पूरा पर्यटन उद्योग और कश्मीर के इर्द-गिर्द घूमने वाले इसके सभी भागीदार, घाटी और भारत के विभिन्न हिस्सों में, परेशान हो जाएंगे।

पहलगाम हमला : जम्मू में पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन, कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : दक्षिण कश्मीर के पहलगाम पर्यटन स्थल पर हुए घातक आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को जम्मू क्षेत्र में मुख्यधारा के राजनीतिक दलों, सामाजिक-राजनीतिक और धार्मिक संगठनों द्वारा बड़े पैमाने पर पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन किए गए, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के पुतले जलाए और नारे लगाए कि पड़ोसी देश, आतंकवादियों और जम्मू-कश्मीर में उनके समर्थकों को करारा जवाब दिया जाए। आतंकवादियों ने मंगलवार दोपहर अनंतनाग जिले के पहलगाम शहर के पास एक घास के मैदान में गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए दृ ज्यादातर पर्यटक दृ जिसे 2019 के पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला बताया

जा रहा है। शहर में विरोध मार्च निकालने की अनुमति मांगते समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हुई।

पाकिस्तान, उसके सेना प्रमुख, आतंकवादियों और उनके स्थानीय समर्थक ढांचे के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने पड़ोसी देश और जम्मू-कश्मीर में उसके आतंकवादी नेटवर्क को मुंहतोड़ जवाब देने की मांग की। उन्होंने पाकिस्तान का झंडा भी जलाया।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मंत्री प्रिया सेठी ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम चाहते हैं कि सुरक्षा बल आतंकवादियों और उनके स्थानीय समर्थक ढांचे पर कार्रवाई करें। पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए।

शहर में एक और विरोध मार्च का नेतृत्व करने वाले जम्मू-कश्मीर के पूर्व भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा, ''हम अपने भाइयों की हत्या का बदला लेंगे। चाहे कुछ भी हो जाए, आतंकवादियों और उनके स्थानीय समर्थकों को जल्द ही खत्म कर दिया जाएगा।'' कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने जम्मू में पार्टी कार्यालय से एक रैली निकाली, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया, जिसके परिणामस्वरूप एक संक्षिप्त झड़प हुई।

पाकिस्तान और आतंकवादियों के खिलाफ नारे लगाते हुए, पूर्व मंत्री योगेश साहनी के नेतृत्व में मार्च में भाग लेने वालों ने कहा कि कांग्रेस और देश के लोग उन लोगों के साथ खड़े हैं जिन्होंने पहलगाम हमले में अपने प्रियजनों को खो दिया है।

साहनी ने कहा, सरकार को हमले में शामिल लोगों के खिलाफ सबसे सख्त कदम उठाने चाहिए।

जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जेसीसीआई), जम्मू बार एसोसिएशन (जेबीए), ऑल जम्मू एंड कश्मीर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन और जम्मू ट्रेडर्स एसोसिएशन ने भी बंद का आह्वान किया था और पाकिस्तान के खिलाफ अलग-अलग विरोध मार्च निकाले।

शिवसेना डोगरा फ्रंट, राष्ट्रीय बजरंग दल और अन्य संगठनों ने टायर और पाकिस्तान के झंडे जलाए।

राष्ट्रीय बजरंग दल के अध्यक्ष राकेश ने संवाददाताओं से कहा, ये लक्षित हत्याएं थीं। हमारी मांग है कि पाकिस्तान और उसके स्थानीय समर्थन आधार के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

एसीबी निदेशक के अनुरोध के बाद अदालतों को एसीबी चालान मैन्युअल रूप से स्वीकार करने के निर्देश दिए गए

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के निदेशक के अनुरोध के बाद, उच्च न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की सभी आपराधिक अदालतों को तीन महीने के लिए एसीबी से मैन्युअल रूप से चालान स्वीकार करने का निर्देश दिया है। रजिस्ट्रार जनरल शहजाद अज़ीम द्वारा इस संबंध में जारी एक आदेश में एसीबी के अधिकृत प्रतिनिधियों को उचित और समय पर प्रविष्टि सुनिश्चित करने के लिए अदालत के कर्मचारियों की निगरानी में कोर्ट सूचना प्रणाली (सीआईएस) में आरोप-पत्र अपलोड करने का निर्देश दिया गया है। भविष्य में इसी तरह के अनुरोधों से बचने के लिए एसीबी को अपना सॉफ्टवेयर अपडेट करने के लिए भी कहा गया है। आदेश में कहा गया है, चालू वर्ष से संबंधित आरोप-पत्र सीसीटीएनएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से दायर किए जाने चाहिए।

वक्फ विवाद : केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, जब वैधता मान ली गई हो तो संसद से कानून पर पूर्ण रोक लगाने का आदेश नहीं दिया जा सकता

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : केंद्र ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में संशोधित वक्फ अधिनियम का बचाव किया और संसद द्वारा पारित संवैधानिकता के अनुमान वाले कानून पर अदालत द्वारा किसी भी पूर्ण रोक का विरोध किया। 1,332 पन्नों के प्रारंभिक हलफनामे में, केंद्र ने शीर्ष अदालत से वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का आग्रह किया, जिसमें ''कुछ प्रावधानों के इर्द-गिर्द शरारतपूर्ण झूठी कहानी'' की ओर इशारा किया गया। ''जबकि यह अदालत मामलों की सुनवाई के दौरान इन चुनौतियों की जांच करेगी, लेकिन सामान्य तौर पर मामलों में (यहां तक ''कि मुस्लिम समुदाय के सदस्यों पर भी) इस तरह के आदेश के प्रतिकूल परिणामों के बारे में जाने बिना पूर्ण रोक (या आंशिक रोक) लगाना अनुचित होगा, खासकर ऐसे कानूनों की वैधता के अनुमान के संदर्भ में,'' इसने तर्क दिया।

नतीजतन, केंद्र ने मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ से आग्रह किया, जो 5 मई को अंतरिम निर्देश पारित करने के लिए याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली है, कि कानून के प्रावधानों पर रोक न लगाई जाए। सरकार ने 2013 से वक्फ संपत्तियों में 116 प्रतिशत की "चौंकाने वाली वृद्धि" का दावा किया। इसने 8 अप्रैल तक "वक्फ द्वारा उपयोगकर्ता" संपत्तियों के आवश्यक पंजीकरण पर तर्कों का भी विरोध किया, कहा कि यदि प्रावधान में अंतरिम आदेश द्वारा हस्तक्षेप किया गया था, तो यह "न्यायिक आदेश द्वारा विधायी शासन का निर्माण" होगा।

हलफनामे ने उन दलीलों का खंडन किया कि कानून में बदलाव के कारण मुस्लिम केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में अल्पमत में हो सकते हैं। कानून "विधायी शक्ति का एक वैध और वैधानिक प्रयोग" है, जो वक्फ संस्था को मजबूत करता है और इसे संवैधानिक सिद्धांतों के साथ जोड़ता है, और समकालीन युग में वक्फ की संपूर्ण प्राप्ति की सुविधा प्रदान करता है, यह तर्क दिया। केंद्र ने तर्क दिया कि कानून में यह स्थापित स्थिति है कि संवैधानिक अदालतें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वैधानिक प्रावधान पर रोक नहीं लगाएंगी हलफनामे में कहा गया है, ''संवैधानिकता के अनुमान के स्थापित संवैधानिक सिद्धांतों, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के पीछे अंतर्निहित मूल्य और किसी भी अंतरिम आदेश को पारित करने से पहले पूरी की जाने वाली उच्च सीमा को ध्यान में रखते हुए, किसी भी अंतरिम आदेश को अस्वीकार करना उचित होगा जैसा कि मूल याचिकाओं में किया गया था। निजी और सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण करने के लिए वक्फ प्रावधानों के ''कथित दुरुपयोग'' का जिक्र करते हुए, हलफनामे में कहा गया है कि मुगल काल से ठीक पहले, स्वतंत्रता-पूर्व युग और स्वतंत्रता-पश्चात युग में, बनाए गए वक्फों की कुल भूमि 18,29,163.896 एकड़ थी। इसमें कहा गया है,इ चौंकाने वाली बात यह है कि 2013 के बाद वक्फ भूमि में 20,92,072.536 एकड़ की वृद्धि हुई है। "उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ" से संबंधित संशोधन पर, केंद्र ने कहा कि "किसी के लिए यह तर्क देना बहुत देर हो चुकी है" कि यद्यपि यह "वास्तविक वक्फ" होने का दावा करता है, फिर भी यह पंजीकृत नहीं है। "यदि केवल पंजीकृत 'उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ' को बचाने वाली धारा के प्रभाव में किसी भी अंतरिम आदेश द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हस्तक्षेप किया जाता है, तो यह न केवल उद्देश्य और प्रावधान को ही विफल कर देगा, बल्कि इसके परिणामस्वरूप निम्नलिखित विसंगतियाँ होंगी जो किसी भी अदालत के आदेश से उत्पन्न नहीं हो सकती हैं।

स्वामित्व, प्रकाशक एवम् मुद्रक संजीव कुमार मनमोत्रा द्वारा जन संपर्क प्रिंटिंग प्रेस सिधरा, जम्मू से मुद्रित करवाकर तथा अटल विहार हेरिटेज स्कूल सैनिक कॉलोनी जम्मू से प्रकाशित किया गया संपादक : संजीव कुमार मनमोत्रा, मोबाइल न : 9419141189, ईमेल : editorjammuladakhvision1@gmail.com